कार्तिक शुक्ल पक्ष -14, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 136 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
23 नवंबर 2026 सोमवार

आज का मौसम
27.8 अधिकतम
12.4 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो


Page-7

बोतलबंद पानी पर सवाल... FSSI ने दी है बिसलेरी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी

बिसलेरी के पानी का सैंपल फेल होने के बाद अब सभी ब्रांड जांच के दायरे में

नई दिल्ली, एजेंसी

बोतलबंद पानी को सुरक्षित मानकर खरीदने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। बिसलेरी के पानी के सैंपल को असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद सरकार अब देशभर में बोतलबंद पानी बेचने वाली सभी कंपनियों के उत्पादों की जांच कराएगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के एक सैंपल पर कार्रवाई के बाद शुरू हो रही इस व्यापक जांच में बिसलेरी के अन्य सैंपल भी शामिल होंगे। सरकारी सूत्रों के हवाले से रॉयटर्स ने आज बताया कि सरकारी एजेंसी अन्य कंपनियों के पानी के सैंपल भी जांचेगा। इससे देश के बोतलबंद पानी उद्योग की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है, जब बिसलेरी के एक सैंपल को लेकर दो अलग-अलग जांचों में गंभीर खामियां सामने आई थीं। एफएसएसएआई ने पहले निर्धारित सीमा से अधिक ब्रोमेट पाए जाने पर सैंपल को पीने के लिए असुरक्षित घोषित किया। कंपनी की अपील के बाद दूसरी प्रयोगशाला में जांच हुई तो उसमें भी पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) पाए गए। इसके बाद नियामक ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कंपनी के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दी। हालांकि, अभियोजन की मंजूरी का अर्थ दोषसिद्धि नहीं है।

एक सैंपल पर दो तरह के नतीजे

बिसलेरी के मुताबिक, मामला सितंबर 2025 में गोवा स्थित उसके संयंत्र से लिए गए छह सैंपल का है। कंपनी का दावा है कि शुरुआती जांच में पांच सैंपल मानकों के अनुरूप थे, जबकि छठे में ब्रोमेट की मात्रा 12 माइक्रोग्राम प्रति लीटर मिली, जो निर्धारित 10 माइक्रोग्राम की सीमा से अधिक थी। कंपनी ने इस नतीजे के खिलाफ अपील की। इसके बाद रेफरल प्रयोगशाला ने ब्रोमेट की मात्रा निर्धारित सीमा में पाई, लेकिन पीएएच की मौजूदगी बताई। कंपनी ने उसी सैंपल की स्वतंत्र जांच भी कराई, जिसमें ब्रोमेट मानकों के अनुरूप पाया गया। इस बीच आज रॉयटर्स के हवाले से आई खबर में एक सरकारी सूत्र ने बताया कि बाद की जांच में बिसलेरी के वे सैंपल खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए, जिन्हें पहले असुरक्षित बताया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, नियामक ने प्रभावित बैचों को वापस लेने की कार्रवाई भी की थी। ऐसे में अब यह स्पष्ट होना जरूरी है कि बाद की जांच किन सैंपलों पर हुई, उसके नतीजे क्या हैं और पहले की जांच से उनका संबंध क्या है।

निर्धारित मानक से अधिक ब्रोमेट की मात्रा पीने के लिए असुरक्षित



अन्य कंपनियों पर भी गाज बिसलेरी के अलावा FSSAI ने वसंत मसाला प्राइवेट लिमिटेड, टिट-बिट फूड्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, मीमांसा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और आशा कन्फेक्शनरी के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी दी है। वसंत मसाला के मिर्च पाउडर में डिफेनोकोनाजोल की मात्रा तय सीमा से अधिक मिली। टिट-बिट फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के मिर्च पाउडर में कीटनाशक के अवशेष और हल्दी पाउडर में 'टिन' की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। मीमांसा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की अखरोट की गिरी घटिया और असुरक्षित पाई गई। आशा कन्फेक्शनरी की चॉकलेट-भरी कुकीज 'मिसब्रांडेड', घटिया और असुरक्षित पाई गई जिनमें चीनी की घोषित और असल मात्रा में अंतर था। साथ ही कंपनी को ये कुकीज वापस मंगाने का आदेश भी दिया गया है। नियमों के उल्लंघन और खराब स्वच्छता के कारण उर्मि लाइफसाइंसेज और गौर आयुर्वेदिक स्टोर के लाइसेंस भी निलंबित किए हैं।

रेड बुल को कोर्ट से मिला स्टे

रेड बुल ब्रांड को अदालत से एक स्टे मिल गया है, जिससे उसे एनर्जी ड्रिंक लेबल का इस्तेमाल जारी रखने की अनुमति मिल गई है। वहीं, अन्य कंपनियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपना मौजूदा स्टॉक खत्म होने के बाद इस वर्गीकरण का इस्तेमाल बंद कर दें। एफएसएसएआई ने रेड बुल को मिली इस राहत को चुनौती दी है। नियामक का तर्क है कि इससे कंपनी को अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले अनुचित व्यावसायिक लाभ मिलता है। इस मामले की सुनवाई जनवरी में होनी है।

एशिया पावर इंडेक्स में रूस-जापान को पीछे छोड़ा



भारत तीसरा सबसे ताकतवर देश, प्रभाव में मोदी दूसरे नंबर पर

केनबरा/नई दिल्ली, एजेंसी

प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट के एशिया पावर इंडेक्स 2026 में भारत ने तीसरे सबसे शक्तिशाली देश के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। भारत ने रूस और जापान को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर मजबूती से कब्जा बनाए रखा है। साल 2026 में इंडेक्स में भारत के पावर स्कोर में सुधार हुआ है और यह 40.0 से बढ़कर 40.5 पहुंच गया है। लिस्ट में अमेरिका और चीन पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं, लेकिन दोनों के बीच का अंतर और कम हो गया है। चीन अब अमेरिका के और करीब पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी ने साल 2026 के लिए सालाना एशिया पावर इंडेक्स जारी किया है।

कूटनीतिक प्रभाव सबसे मजबूत

कूटनीतिक प्रभाव भारत का सबसे मजबूत क्षेत्र बना रहा। इस श्रेणी में भारत को 70.3 अंक मिले। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के क्षेत्रीय नेतृत्व के आकलन में बड़ा सुधार हुआ। वह तीन स्थान ऊपर पहुंचे और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद दूसरे सबसे प्रभावी क्षेत्रीय नेता बने। भारत ने अपने आर्थिक रिश्तों में भी सुधार किया। वह इस श्रेणी में दो स्थान ऊपर उठकर सातवें स्थान पर पहुंचा।

रक्षा और सांस्कृतिक प्रभाव में बढ़ोतरी

भारत का रक्षा नेटवर्क स्कोर बढ़कर 18.6 अंक हो गया। वह इस श्रेणी में नौवें स्थान पर पहुंचा। इस सुधार को क्षेत्रीय रक्षा सहयोग में बढ़ोतरी और दक्षिण-पूर्व एशिया में ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री से मदद मिली। भारत का सांस्कृतिक प्रभाव स्कोर भी बढ़कर 43.8 अंक हो गया। सांस्कृतिक पहुंच, जनसंपर्क और लोगों के बीच संपर्क के सभी क्षेत्रों में सुधार हुआ। इन सुधारों से 2023 के बाद पहली बार भारत के उपलब्ध संसाधनों और एशिया में उसके प्रभाव के बीच का अंतर कम हुआ।

न्यूज विंडो

न्यूजीलैंड से टेस्ट ड्रॉ, 43 ओवर में एक भी विकेट नहीं ले सका भारत



वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ हो गया है। भारतीय गेंदबाज आखिरी 43 ओवर में एक भी विकेट नहीं गिरा सके। आज मुकाबले के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 8 विकेट की जरूरत थी। टी-ब्रेक से पहले 5 बैटर्स आउट हो गए थे। जिससे इंडिया को आखिरी डेढ़ सेशन में सिर्फ 5 विकेट की जरूरत थी। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की जोड़ी ने अपनी टीम को पारी की हार से बचाया।

सड़क हादसा...शादी में जा रहे आर्मी जवान समेत 3 की गई जान

अनूपपुर। अनूपपुर में आज सुबह तेज रफ्तार बोलेरो सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बोलेरो सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में दो सगे भाई और बोलेरो का मालिक शामिल हैं। मृतकों की पहचान दीनबंधु विश्वकर्मा (36) और विनीत विश्वकर्मा (26) के रूप में हुई है। विनीत आर्मी में जवान था। वह दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी लेकर घर आ रहा था। तीसरे मृतक की पहचान बोलेरो मालिक मोहम्मद करीम (32), निवासी धनगवां के रूप में हुई है।



एपेक शिखर सम्मेलन पर राहुल गांधी का अज्ञान और भारत की मजबूत स्थिति
वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून



दो दिवसीय दौरा....बालेन शाह का दिल्ली में स्वागत

भारत-नेपाल रिश्तों को मजबूत करने और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर उन्हें गले लगाया। इस दौरान रेड कार्पेट बिछाया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने मुलाकात की। साथ ही दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें दोनों नेता भारत-नेपाल के रिश्तों को मजबूत करने और आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।



नेपाली प्रधानमंत्री आज सुबह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने गले लगाकर उनका स्वागत किया।

अयोध्या-जनकपुर ट्रेन का उद्घाटन

» यूपी-बिहार के 10 स्टेशनों से गुजरेगी, 19 घंटे का सफर



भगवान राम की नगरी अयोध्या और माता सीता की जन्मस्थली जनकपुर धाम के बीच पहली ट्रेन आज से शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस का उद्घाटन कर रहे है। यह ट्रेन यूपी और बिहार के 10 स्टेशनों से गुजरेगी। वाल्मीकि रामायण के मुताबिक, राजा दशरथ राम बारात लेकर जब मिथिला में जनकपुर पहुंचे थे तब उन्हें 4 दिन लगे थे। अब यही सफर लगभग 19 घंटे में पूरा होगा। आम यात्रियों के लिए यह ट्रेन 28 नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है।



वाकणकर प्रयोगशाला एवं गैलरी का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के विज्ञान भवन में प्रदेश की प्रथम डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला एवं गैलरी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

हिमाचल में पारा -4.6° एमपी-छत्तीसगढ़ में बादलों ने ठंड रोकी

शिमला/भोपाल। देश में कहीं सर्दी बढ़ रही है, तो कहीं बारिश और बादलों ने ठंड को रोक रखा है। हिमाचल प्रदेश में रात का तापमान माइनस में पहुंच गया है। लाहौल-स्पीति के ताबो में रात सबसे कम -4.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वहीं मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में चक्रवात अकवान के असर से दिन का तापमान गिर रहा है, जबकि रात में बढ़ोतरी हो रही है। भोपाल में रात का पारा 4.1 डिग्री बढ़कर 12.4 डिग्री पहुंच गया। छत्तीसगढ़ के रायपुर में न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री दर्ज किया गया है।

जनता क्वार्टर...599 मकानों पर बुलडोजर

ऐशबाग इलाके में रास्ते-दुकानें सुबह से बंद, कांग्रेस नेता शुक्ला हिरासत में

भोपाल/इंदौर, दोपहर मेट्रो

भोपाल और इंदौर में आज अतिक्रमण और जर्जर मकानों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की जा रही है। भोपाल के ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर में 599 जर्जर ईडब्ल्यूएस आवास हटाए जा रहे हैं। इसमें 10 पोकलेन मशीनें लगाई गई हैं। सुबह 6 जारी इस कार्रवाई में अब तक करीब 90% मकान तोड़े जा चुके है। हंगामे की आशंका के चलते पुलिस ने कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला को सुबह 8 बजे से हिरासत में ले रखा है।

उधर इंदौर की कृष्णबाग कॉलोनी में भी 62 मकानों को तोड़ा जा रहा है। अब तक 25 घर तोड़े जा चुके हैं। विरोध में दो परिवार अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए हैं। ये कार्रवाई पहले 16 और 17 नवंबर को प्रस्तावित थी, लेकिन पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण टाल दी गई थी।



मेट्रो एंकर जेब में 24 रुपये थे जब यूपीएससी की तैयारी के लिए भूषण ने छोड़ दिया था घर

दिहाड़ी मजदूर के बेटे ने जीते एक करोड़, अब सात करोड़ का सवाल...

मुंबई, एजेंसी

कभी जेब में सिर्फ 24 रुपये लेकर घर से निकले भूषण ठाकरे से आज सात करोड़ रुपये का सवाल पूछा जाएगा। महाराष्ट्र के इस युवा ने कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के सीजन 18 में एक करोड़ रुपये जीतकर इतिहास रच दिया है। आज शो के होस्ट अमिताभ बच्चन उनसे सात करोड़ रुपये का सवाल पूछेंगे। भूषण के सामने अब सिर्फ एक सवाल नहीं, बल्कि वह मुकाम है, जहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने गरीबी, पारिवारिक परेशानियों और संघर्ष के लंबे रास्ते को पार किया है।

28 वर्षीय भूषण महाराष्ट्र के जलगांव जिले के छोटे से गांव बलवाड़ी के रहने वाले हैं। उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और मां लंबे समय से बीमार रहती हैं। मां के इलाज और कई ऑपरेशन का खर्च उठाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती रहा है। आर्थिक तंगी ऐसी कि पढ़ाई के बजाय हाथों में औजार थामने की नौबत आ गई थी। लेकिन पिता ने बेटे के सपनों को मजदूरी की मजबूरी के आगे झुकने नहीं दिया। खुद मेहनत-मजदूरी करके परिवार चलाने वाले पिता ने भूषण को काम पर लगाने के बजाय पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया। बेटे की आंखों में अफसर बनने का सपना था और पिता ने उस सपने को जिंदा रखने के लिए अपनी मुश्किलों को आड़े नहीं आने दिया। यही साथ भूषण की सबसे बड़ी ताकत बना।



भूषण ने करीब डेढ़ साल पहले घर छोड़ दिया था। उन्होंने तय किया कि जब तक यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा पास करके कुछ हासिल नहीं कर लेते, तब तक घर नहीं लौटेंगे। इस फैसले के बाद से वे अपने घर नहीं गए हैं। एक तरफ आईएएस बनने की तैयारी और दूसरी तरफ परिवार की आर्थिक परेशानियां, उनके सामने चुनौतियां लगातार बनी रहीं। लेकिन भूषण ने हार नहीं मानी। पढ़ाई के साथ उन्होंने अपने ज्ञान को परखने के लिए केबीसी का मंच चुना। यहां उनकी मेहनत और जानकारी ने ऐसा रंग दिखाया कि वे सीजन 18 के पहले करोड़पति बन गए। एक करोड़ रुपये जीतने के बाद अमिताभ बच्चन ने उन्हें गले लगाकर बधाई दी। भूषण की सादगी और संघर्ष की कहानी ने शो में मौजूद लोगों का दिल जीत लिया।

पिता के विश्वास की कहानी

केबीसी के निर्माताओं ने भूषण की कहानी का प्रोमो जारी किया है। इसमें उनकी संघर्ष यात्रा और एक करोड़ रुपये जीतने के पल दिखाए गए हैं। आज प्रसारित होने वाले एपिसोड में अमिताभ बच्चन उनसे सात करोड़ रुपये का सवाल पूछेंगे। अब देखना यह है कि भूषण इस सवाल का सही जवाब देकर सात करोड़ रुपये जीत पाते हैं या नहीं। भूषण की कहानी सिर्फ करोड़पति बनने की कहानी नहीं है। यह उस पिता के विश्वास की कहानी भी है, जिसने गरीबी के बावजूद बेटे को पढ़ाई से दूर नहीं होने दिया। और उस बेटे की भी, जिसने जेब में 24 रुपये होने के बावजूद अपने सपनों की कीमत कम नहीं होने दी।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: नाथू बरखेड़ा में भारतीय बेटियों का जलवा बरकरार, संविदा शिक्षक की बेटी ने सभी बाधाएं पार कर उठाई चुनौती...कई बार निराश भी हुईं, लेकिन जज्बे से जीती जिंदगी की हर जंग

जिस भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, उसमें ग्वालियर की डिफेंडर इशिका ने निभाई अहम भूमिका,...बचपन में लोग 'कछुआ' कहते थे, संभाला मिडफील्ड तो टीम ने किए 7 गोल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में चल रही एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपनी जगह बना ली। कल भारतीय टीम ने थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी। इस शानदार जीत की टीम में ग्वालियर की बेटी इशिका चौधरी की भूमिका भी अहम रही। मुख्य रूप से डिफेंडर इशिका को मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने डिफेंडर के रोल से हटाकर मिडफील्ड में लगाया। मैदान पर मिडफील्ड रोटेशन बनाए रखने, गेंद पर नियंत्रण रखने और फॉरवर्ड खिलाड़ियों के लिए आक्रामक मूव तैयार करने में उनकी भूमिका अहम रही। इसी का नतीजा रहा कि भारतीय टीम 7 गोल दागने में सफल रही। लेकिन ग्वालियर की इस बेटी का भारतीय हॉकी टीम में चयन और यहां तक का सफर आसान नहीं था।



कॉमन वेल्थ में चयन न होने से निराश हो गई थी

कॉमन वेल्थ विमेंस वर्ल्ड कप -22-23 में चयन न होने से इशिका बहुत निराश हो गई थी। तब उन्होंने कहा था कि यह समय मेरे जीवन का सबसे बुरा दौर था क्योंकि इसके पहले मेरा लगातार चयन होता आ रहा था और एक टूर्नामेंट भी खेल चुकी थी।

15 अप्रैल 2000 को जन्मीं इशिका साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आती हैं। उनके पिता राजीव चौधरी ग्वालियर में संविदा शिक्षक हैं और मां गायत्री चौधरी गृहिणी हैं। घर में एक छोटा भाई ईशान चौधरी भी है। परिवार के आर्थिक हालात बेहद अच्छे नहीं थे। शुरुआती दिनों में संसाधन भी सीमित थे, लेकिन इशिका के माता-पिता ने बच्चों को घर की चाहरदिवारी में रखने के बजाय आउटडोर खेलों के लिए प्रेरित किया। उनका मानना था कि बच्चे मैदान पर निकलें। इसी सोच ने इशिका को खेल के मैदान तक पहुंचाया।

ग्वालियर-चंबल में जहां सामाजिक रूढ़ियां, वहां बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ीं इशिका

इशिका ग्वालियर-चंबल अंचल से आती हैं। यहां पारंपरिक रूप से लड़कियों के खेलकूद में जाने के बजाय कम उम्र में उनकी शादी को प्राथमिकता दी जाती रही है। ऐसे माहौल में घर से निकलकर हॉकी जैसे शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण खेल को अपनाना आसान नहीं था। स्थानीय कोचों के मुताबिक, पारंपरिक सोच के बीच आगे बढ़ना और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना उनके लिए बड़ी सामाजिक चुनौती थी। ग्वालियर के दर्पण हॉकी स्टेडियम से अभ्यास शुरू करने के बाद उन्हें जूनियर कैंप और फिर सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए कड़ी मेहनत से खुद को बार-बार साबित करना पड़ा।

प्यार से बुलाते थे 'कछुआ'

निजी जीवन में बेहद शांत और संकोची स्वभाव की इशिका को परिवार में बचपन में लोग प्यार से 'कछुआ' कहकर बुलाते थे। लेकिन हॉकी के मैदान पर उनकी रफ्तार और फुर्ती ने इस छवि को बदल दिया। कभी डिफेंडर के तौर पर टीम की दीवार बनीं तो अब मिडफील्ड की दोहरी और अधिक भागदौड़ वाली जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

पढ़ाई और नौकरी के साथ जारी रखा सफर

खेल के साथ-साथ इशिका ने अपनी शिक्षा भी जारी रखी और ग्वालियर स्थित आईटीएम यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन से बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (बीपीईएस) की डिग्री हासिल की। साल 2022 में वे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़ीं और घरेलू स्तर पर इंडियन ऑयल का प्रतिनिधित्व करती हैं। सीमित संसाधनों, सामाजिक चुनौतियों और पोजीशन बदलने जैसी हर परीक्षा को पार कर इशिका चौधरी आज अपने घरेलू प्रदेश के पास भोपाल में खेले जा रहे बड़े मंच पर तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं।

साल की उम्र में मां के कहने पर सीखा हॉकी का ककहरा

नवंबर 2011 में मां के कहने पर घर के पास ही स्थित दर्पण फीडर सेंटर में कोच श्री अविनाश भटनागर से हॉकी सीखना शुरू किया। महज 11 वर्ष की उम्र में हॉकी का ककहरा सीखने के बाद एक साल बाद ग्वालियर में स्थापित मप्र राज्य महिला हॉकी अकादमी में कोच परमजीत सिंह से खेल की बारीकियां सीखीं। जल्द ही जूनियर और सब जूनियर टीम में उन्होंने अपनी जगह बना ली। 2013 में रांची में हुए जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। इसके अगले ही साल 2014 में सब जूनियर कैटेगरी में पहला नेशनल पुणे में खेला। इसमें स्वर्ण पदक जीता।

न्यूज विंडो

खुफिया विभाग के चालक को ठगा, खाते से 1.04 लाख उड़ाए

भोपाल। साइबर ठग अब सरकारी विभागों में काम करने वालों को भी निशाना बना रहे हैं। चार इमली स्थित केंद्रीय खुफिया विभाग में पदस्थ एक वाहन चालक को बिजली कनेक्शन काटने का झांसा देकर लिंक भेजा गया। जैसे ही लिंक पर क्लिक किया, खाते से 1.04 लाख रुपए निकल गए। शहर में बीते 24 घंटे के दौरान साइबर जालसाजों ने चार लोगों को निशाना बनाकर 3.02 लाख रुपए की धोखाधड़ी की। अशोका गार्डन थाना में राजकुमार यादव के खाते में सेंध लगाकर 85 हजार रुपए निकाल लिए। रातीबड़ थाना क्षेत्र में राजकुमार शाह के खाते से जालसाजों ने 77 हजार और आशीष धुर्वे के खाते से 36 हजार 299 रुपए निकाल लिए। साइबर क्राइम ने खातों को फ्रीज करा दिया है। हबीबगंज पुलिस ने बताया, सुरजीत खान चार इमली स्थित केंद्रीय खुफिया विभाग में वाहन चालक हैं। उनके मोबाइल पर बिजली बिल बकाया का संदेश आया। भुगतान नहीं करने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी देते हुए लिंक दिया था, उन्होंने लिंक खोल लिया। ठगों ने खाते से 1.04 लाख रुपए उड़ा लिए।

भदभदा में युवती ने लगाई छलांग गोताखोरों ने बचा ली जान

भोपाल। भदभदा डैम पर अचानक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवती ने पानी में छलांग लगा दी। जानकारी के मुताबिक, युवती शाम में भदभदा डैम पहुंची थी। वहां कुछ देर रहने के बाद उसने अचानक पानी में छलांग लगा दी। मौके पर तैनात गोताखोर तुरंत पानी में उतरे और युवती को बाहर निकाल कर जान बचाई। घटना की जानकारी मिलने पर कमला नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवती से संबंधित जानकारी जुटाई।

मां के साथ बाजार से लौटी, बीसीए की छात्रा ने कमरे में लगाया फंदा

भोपाल। मां के साथ बाजार से लौटने के कुछ घंटे बाद गोमती कॉलोनी, नेहरू नगर की 22 वर्षीय अनुष्का पांडे बीसीए फाइनल ईयर की छात्रा अपने कमरे में मृत मिली। शाम को मां ने उसे आवाज देकर बाहर बुलाने की कोशिश की, लेकिन जवाब नहीं मिला। खिड़की से झांकने पर बेटी फंदे पर दिखाई दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। कमरे की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

आरजीपीवी के निजी कॉलेजों में उपस्थिति की ऑनलाइन निगरानी

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) से संबद्ध निजी इंजीनियरिंग और फार्मेसी कॉलेजों में विद्यार्थियों की उपस्थिति की ऑनलाइन निगरानी होगी। कॉलेजों को प्रतिदिन उपस्थिति विश्वविद्यालय के पोर्टल पर दर्ज करनी होगी। तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देश अनुसार इससे कॉलेजों में विद्यार्थियों की उपस्थिति की स्थिति विश्वविद्यालय के सामने रहेगी। कॉलेज अपनी संस्था की लॉगइन आईडी के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराएंगे। नई व्यवस्था से विश्वविद्यालय को उन कॉलेजों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जहां विद्यार्थियों की उपस्थिति लगातार कम रहती है। इससे कॉलेजों में नियमित कक्षाओं के संचालन और विद्यार्थियों की भागीदारी की समीक्षा भी की जा सकेगी।

ईवी चार्जिंग के 50 में से एक भी पॉइंट नहीं , 15 साल के रार का मतलब क्या

690 करोड़ के स्मार्ट पोल शोपीस इंटरनेट के आगे गुम 'स्मार्टनेस'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर को स्मार्ट बनाने के नाम पर 2017 में खड़े किए गए हाईटेक स्मार्ट पोल अब 2026 में अपनी उपयोगिता को लेकर ही सवालों में हैं। करीब 690 करोड़ रुपए के स्मार्ट पोल और इंटेलिजेंट स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट में शहर को वाईफाई, निगरानी कैमरे, पर्यावरण सेंसर, ईवी चार्जिंग, डिजिटल बोर्ड और दूरसंचार सुविधाओं से लैस करने का दावा किया गया था। 15 साल के करार के बावजूद परियोजना की कई सुविधाएं तय लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकीं। जिस 4जी और 5जी इंटरनेट सुविधा को इन पोल की प्रमुख जरूरत बताया गया था, मोबाइल इंटरनेट के तेजी से विस्तार ने उसी जरूरत को काफी हद तक बदल दिया है। 2024 में स्मार्ट सिटी के तत्कालीन सीईओ भी मान चुके हैं कि मोबाइल इंटरनेट उपलब्ध होने के बाद इन पोल की उपयोगिता कम हो गई है। अब 2026 में सवाल यह है कि जिस परियोजना को शहर के डिजिटल भविष्य की रीढ़ बताया गया था, स्मार्ट पोल की कई मूल सुविधाएं या तो अधूरी रहीं या शुरू ही नहीं हो सकीं। इस परियोजना से नागरिकों को वास्तविक लाभ कितना मिला? यह जानकारी भी साझा नहीं की गई। ऐसे में अधूरी सुविधाओं पर जिम्मेदारों की जवाबदेही तक तय क्यों नहीं की गई?



शहर में लगा स्मार्ट पोल।

150 पोल लगाने का किया था दावा लेकिन चालू मिले सिर्फ 66

स्मार्ट सिटी द्वारा करीब 150 स्मार्ट पोल लगाए जाने का दावा किया गया, लेकिन इनमें सिर्फ 66 पोल ऑनलाइन और चालू मिले थे। इसमें कई समस्याएं सामने आईं। यानी शुरुआती दौर में ही स्मार्ट पोल की व्यवस्था सवालों में आ गई थी।

ऑडिट में कहा गया था कि कि निजी कंपनी करार में तय कई सुविधाएं देने में विफल रही। चार मामलों में काम भी शुरू नहीं किया गया। इसके बावजूद भी करार की शर्तों के उल्लंघन पर कार्रवाई न होने की बात रिपोर्ट में दर्ज की गई।

ऑडिट में खुली पोल

स्थानीय निकायों पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में प्रोजेक्ट की स्थिति दर्ज की गई। रिपोर्ट में स्मार्ट पोल से लेकर वाईफाई, ऑप्टिकल फाइबर, कैमरे, पर्यावरण सेंसर, ईवी चार्जिंग व विज्ञापन सुविधाओं के लक्ष्य और उपलब्धि में अंतर मिला। यहां 150 स्मार्ट पोल के लक्ष्य की तुलना में 108 लगाए गए। 100 वाईफाई हॉटस्पॉट में से 74 ही लगे मिले। 200 किमी ऑप्टिकल फाइबर की तुलना में 170 किमी उपलब्ध था। ईवी चार्जिंग के लिए 50 पॉइंट भी नहीं लगे।

आंकड़ों से जानिए प्रोजेक्ट की क्या है जमीनी हकीकत

- 150 स्मार्ट पोल लगाने का लक्ष्य था परंतु 108 ही उपलब्ध हैं।
- 100 वाईफाई हॉटस्पॉट लगाए जाने का लक्ष्य था, इनमें से 74 ही लगे।
- 200 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर का लक्ष्य, 170 किलोमीटर उपलब्ध।
- 150 कैमरों का लक्ष्य, 81 उपलब्ध।
- 50 ईवी चार्जिंग पॉइंट लगाने का लक्ष्य, लेकिन एक भी नहीं लग सके।
- 20,000 एलईडी स्ट्रीट लाइट का लक्ष्य, 20 हजार उपलब्ध। यानी पूरा हुआ।

इंटरनेट सबसे बड़ा सवाल

स्मार्ट पोल के जरिए सार्वजनिक इंटरनेट, वाईफाई, दूरसंचार सेवाएं उपलब्ध कराने और ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का व्यावसायिक उपयोग करने की योजना थी। लेकिन मोबाइल इंटरनेट के विस्तार ने इस मॉडल की जरूरत ही बदल दी। 2026 में जब मोबाइल इंटरनेट आम हो चुका है, तब सवाल यह है कि स्मार्ट पोल क्या अतिरिक्त डिजिटल सुविधा दे रहे हैं, जो मोबाइल नेटवर्क से उपलब्ध नहीं है? मामले में स्मार्ट सिटी पीआरओ नितिन दवे का कहना है कि जिन इलाकों में मेट्रो सहित अन्य निर्माण कार्य चल रहे हैं, उन इलाकों के स्मार्ट पोल की शिफ्टिंग की कार्रवाई चल रही है।

रहवासी क्षेत्र में कारोबार पर आज 'सुप्रीम' सुनवाई

याचिकाकर्ता ने निगम की कार्रवाई को बताया दिखावा कहा- कोर्ट को बताएंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में रहवासी इलाकों में कारोबार के मामले की सुनवाई आज सुप्रीम कोर्ट में होने जा रही है। अब तक की गई सीलिंग की कार्रवाई की रिपोर्ट नगर निगम कोर्ट के पटल पर रखेगा। इसके बाद कार्रवाई की आगे की दिशा तय होगी। याचिकाकर्ता भी अपना पक्ष रखेंगे। आवासीय परिसरों में व्यावसायिक उपयोग एवं अनाधिकृत निर्माण से जुड़े मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी। इसमें भोपाल के अरेरा कॉलोनी एवं अन्य आवासीय क्षेत्रों में अवैध भूपयोग, व्यावसायिक गतिविधियों और हजारों अनाधिकृत निर्माण पर होगा फैसला। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि व्यावसायिक उपयोग और अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ चल रही देशव्यापी कार्रवाई के बीच होने वाली इस सुनवाई में नगर निगम अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करेगी। इसके बाद कार्रवाई की आगे की दिशा पर निर्णय होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सुनवाई से पहले नगर निगम की टीमें कार्रवाई कर रही है। अब तक करीब 400 प्रतिष्ठान सील किए जा चुके हैं। वहीं, नोटिस देने की कार्रवाई भी जारी है। इसे याचिकाकर्ता त्रिपाठी ने कोर्ट को गुमराह करने और दिखावे की कार्रवाई बताया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम शीर्ष कोर्ट को फिर से गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। इससे पहले भी भोपाल में अवैध निर्माण को बंद करने की दिखावी कार्रवाई हो चुकी है।



अगस्त में नोटिस, सीलिंग फिर खुल गए प्रतिष्ठान

रहवासी इलाकों में 62500 प्रतिष्ठान हैं। 5 अगस्त को शीर्ष कोर्ट के फैसले के बाद निगम ने ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए थे, जो आवासीय क्षेत्र में चल रहे थे। 15 दिन तक नोटिस देने का दौर चला। इस दौरान लिस्टेड 62500 में से 8084 प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए। फिर 3 दिन तक 190 प्रतिष्ठान बंद किए थे। हालांकि ये बंद प्रतिष्ठान फिर से खुल गए। अब भी इनमें कारोबार हो रहा है। इन्हें फिर से बंद करने की कार्रवाई शुरू की है।

अब 25 से 30 नवंबर तक पलासी मंदिर में पंचकल्याणक महोत्सव

21 संतों के पिच्छिका परिवर्तन समारोह में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब आचार्य विद्यासागर महाराज को किया स्मरण, दी भावांजलि

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में आचार्य समय सागर महाराज सहित 21 संतों का पिच्छिका परिवर्तन समारोह श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आचार्य विद्यासागर महाराज को स्मरण कर भावांजलि अर्पित की। समारोह में युवाओं, वरिष्ठ अधिकारियों और समाजजनों ने संयमित जीवन अपनाने का संकल्प लिया। आचार्य श्री को नवीन पिच्छिका देने का सौभाग्य ऋषभ, मनीष, निमिषा और प्रगति परिवार को मिला। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर, एम्स निदेशक सहित कई गणमान्य लोगों ने संतों को पिच्छिका भेंट की। विवेक सागर ने आचार्य श्री से आशीर्वाद लेकर भारतीय टीम की टी-शर्ट पर इंडिया की जगह भारत लिखवाने का प्रयास करने की बात कही। आचार्य श्री ने अहिंसा, त्याग और देव-शास्त्र-गुरु के प्रति समर्पण का संदेश दिया। समारोह में 25 से 30 नवंबर तक पलासी मंदिर में होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की जानकारी भी दी गई।



9वीं-10वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षा भी पुराने पैटर्न पर शुरू

एमपी बोर्ड ने बदला पेपर पैटर्न पर डीपीआई पुराने ढर्रे पर ही

भोपाल। एमपी बोर्ड ने सत्र 2026-27 की वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का पैटर्न बदल दिया, लेकिन लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) स्कूलों में इसे लागू कराने की तैयारी नहीं कर पाया। नतीजा पहले 11वीं-12वीं की परीक्षाएं पुराने पैटर्न पर करवाई गईं और अब शनिवार से शुरू हुई 9वीं-10वीं की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं भी पुराने ढर्रे पर ही चल रही हैं। 10वीं-12वीं की वार्षिक परीक्षाएं एमपी बोर्ड कराता है, जबकि सरकारी स्कूलों में 9वीं से 12वीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं डीपीआई करवाता है।

एमपी बोर्ड ने यह बदला पैटर्न

सत्र 2026-27 से दो अंकों के अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों में आंतरिक विकल्प समाप्त कर दिया गया है। एनसीईआरटी विषयों में 5 अंकों के दीर्घ उत्तरीय व 7 अंकों के निबंधात्मक प्रश्नों में आंतरिक विकल्प की सुविधा शुरू की गई है। मामले में लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त अभिषेक सिंह का कहना है, अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं एमपी बोर्ड के नए पैटर्न के अनुसार ही कराने के निर्देश दिए हैं। पुराने पैटर्न से पेपर आने की बात मेरे संज्ञान में नहीं है।

मेट्रो एंकर | **विभाग ने नहीं बनाए स्पष्ट नियम, इसलिए बिगड़ गए हालात**

'आयुष' की लापरवाही से सैकड़ों छात्र नहीं ले सके प्रवेश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में चल रही आयुष नीट यूजी काउंसलिंग सत्र 2026-27 के स्ट्रे वेकेंसी राउंड-1 में सैकड़ों विद्यार्थी प्रवेश से वंचित रह गये हैं। पूरा सत्र विवादित रहा। अभ्यर्थियों, अभिभावकों और संस्थानों में शासकीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में झगड़े का माहौल रहा। आयुष संचालनालय की लापरवाही से इस प्रकार के हालात बने हैं।

संचालनालय आयुष मप्र द्वारा एमपी ऑनलाइन के मार्फत आयुष यूजी नीट काउंसलिंग में स्ट्रे राउंड-1 के तहत रिक्त 1561 सीटों पर प्रवेश होना था। स्ट्रे वेकेंसी में एलिजिबल कैंडीडेट लिस्ट में से ही शासकीय पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में छात्रों ने रिपोर्टिंग की। एक छात्र दस कॉलेजों में समय सीमा के भीतर रिपोर्टिंग कर सकता था। ऑब्जर्वर्स की उपस्थिति में रिपोर्टेड आवेदकों में से ही मेरिट सूची जारी की गई। लेकिन सूची में आने के बाद भी छात्रों को प्रवेश नहीं दिया। ऑब्जर्वर्स का तर्क था कि अगर किसी कॉलेज में 50 सीटें रिक्त हैं, तो वे मेरिट भले ही 100 लोगों की बना लें, पर क्रम 50 तक में ही जो छात्र उपस्थित होगा, उसे ही प्रवेश देंगे। भले ही सीटें खाली रह जाएं। जबकि 17 अगस्त 2026 को जारी मप्र राजपत्र आयुष विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल, आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी स्नातक प्रवेश नियम 2026-27 में स्ट्रे वेकेंसी राउंड के लिए नियम बिंदु 16.4 (3-4-5) में कहा है कि पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में शामिल कर मेरिट अनुसार रिक्त सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा।



डॉ. पांडेय बोले-प्रवेश से वंचित सैकड़ों छात्रों की परेशानी की जवाबदारी कौन लेगा

निजी आयुर्वेद महाविद्यालय शिक्षक कल्याण संघ के कार्यकारी अध्यक्ष व आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने कहा कि पर्यवेक्षकों ने स्वयं रिपोर्टिंग कराई, स्वयं मेरिट सूची जारी की, पर उसी मेरिट सूची में से उपलब्ध कई उपस्थित छात्रों को प्रवेश देने से मना कर दिया गया। ऐसा ज्यादातर आयुर्वेदिक कॉलेजों में देखने को मिला। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि रिपोर्टेड मेरिट सूची के आधार पर सभी रिक्त सीटों पर समय से उपलब्ध छात्रों को प्रवेश देना चाहिए था, क्योंकि वे ऑब्जर्वर्स द्वारा मेरिट सूची के ही छात्र थे। ऑब्जर्वर्स हायर मार्क्स वालों का इंतजार करते रहे और सीटें खाली चली गईं। अभी भी आयुर्वेद बीएएमएस की 200 से ज्यादा सीटें रिक्त रहने की संभावना है। पूरे आयुष की 1561 में से 1000 सीटें रिक्त हो सकती हैं। ऑब्जर्वर्स की मेरिट सूची में से हायर मार्क्स वालों के अनुपस्थित रहने पर नीचे क्रम के मेरिट सूची के सैकड़ों छात्रों को प्रवेश न देने की जवाबदेही कौन लेगा?

पहल: कमजोर बच्चों को कराई जाएगी फीडिंग

हमीदिया में खुलेगा राज्य का दूसरा मदर मिल्क बैंक, व्यवस्थाएं पूरी..बस! उद्घाटन का इंतजार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल में मप्र का दूसरा मदर मिल्क बैंक खुलेगा। प्रतीक्षा सिर्फ उद्घाटन की है। जानकारी है कि दिसंबर या फिर अगले साल जनवरी में यह शुरू हो जाएगा। राजधानी में कैलाशनाथ काटजू महिला चिकित्सालय के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा मदर मिल्क बैंक होगा। इसमें जरूरतमंद उन बच्चों की शारीरिक पोषण पूर्ति होगी, जो जन्म से कमजोर पैदा हुए हैं और अस्पताल की स्पेशल केयर यूनिट (एसएनसीयू) में रखे गए हैं। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि नियमों का पूरा पालन करने के बाद ही मदर मिल्क बैंक में दूध का संकलन किया जाएगा। तापमान के हर पहलुओं को परखते हुए मदर मिल्क बैंक तैयार किया गया है। समस्त मशीन और फ्रीजर भी आ चुके हैं। इन्हीं में दूध का संकलन किया जाएगा।

काटजू अस्पताल में 250 लीटर की क्षमता

एक साल पहले काटजू अस्पताल में मदर मिल्क बैंक शुरू किया गया था। जिसमें मिल्क कैलकुलेशन की क्षमता 250 लीटर की है। यहां 6 माह तक दूध रखा जा सकता है। इसमें अभी तक 800 बच्चे पोषित हो चुके हैं। अस्पताल में हर सप्ताह एक या दो ऐसे बच्चों को रखा जाता है जो जन्म से कमजोर होते हैं। इन बच्चों को दूध की पूर्ति इसी मदर मिल्क बैंक से की जाती है। इधर, हमीदिया अस्पताल में तैयार मदर मिल्क बैंक को उपमुख्यमंत्री से उद्घाटन कराए जाने की तैयारी है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मंत्री को आमंत्रित किया है। लेकिन अभी उनकी तरफ से यह तारीख नहीं दी गई।

पूर्व क्षेत्र में 22 उपकेंद्रों का काम अभी शुरू नहीं

एमपी में बिजली नेटवर्क सुधारने को मिले 1500 करोड़, पर खर्च हुए महज 96.85 करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बिजली आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के लिए तीनों वितरण कंपनियों को 1500 करोड़ रुपये की एसएसटीडी योजना के तहत बजट स्वीकृत किया गया है। इस राशि से नए बिजली उपकेंद्र बनाने, पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने, नई बिजली लाइनें बिछाने और वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थापना सहित कई महत्वपूर्ण काम किए जाने हैं। लेकिन, 27 अक्टूबर को हुई समीक्षा बैठक में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि 500-500 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद तीनों कंपनियां मिलकर अब तक लगभग 96.85 करोड़ रुपये ही खर्च कर सकी हैं। यानी कुल स्वीकृत राशि का करीब 6.5 प्रतिशत ही उपयोग हुआ है। खर्च के मामले में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी 43.90 करोड़ रुपये के साथ आगे है। पश्चिम क्षेत्र कंपनी ने 30.59 करोड़ और मध्य क्षेत्र कंपनी ने 22.36 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। तीनों कंपनियों के लिए समान बजट निर्धारित होने के बावजूद खर्च की प्रगति में अंतर है। इसका सीधा असर उन कार्यों की रफ्तार पर भी दिखाई देता है, जिनके पूरा होने से बिजली नेटवर्क की क्षमता बढ़नी है और उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति मिलनी है।

कहां कितने का होना है काम

योजना के तहत तीनों कंपनियों में कुल 112 नए 33/11 केवी उपकेंद्र बनाए जाने हैं। इनमें पूर्व क्षेत्र में 22, मध्य क्षेत्र में 50 और पश्चिम क्षेत्र में 40 उपकेंद्र शामिल हैं। इसी तरह पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि के 417 और अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर लगाने के 300 काम स्वीकृत किए गए हैं। नई बिजली लाइनों के विस्तार का लक्ष्य भी बड़ा है। पूर्व क्षेत्र में 1040 किलोमीटर, मध्य क्षेत्र में 2706.8 किलोमीटर और पश्चिम क्षेत्र में 1405 किलोमीटर नई लाइनें बिछाई जानी हैं। इस तरह तीनों कंपनियों में कुल 5151.8 किलोमीटर नई लाइनें प्रस्तावित हैं। इसके अलावा 1701 नए वितरण ट्रांसफार्मर लगाने और 6947 वितरण ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।



पूर्व क्षेत्र में 22 उपकेंद्रों का काम अभी शुरू नहीं| पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लिए 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसमें 22 नए उपकेंद्रों के लिए 66.70 करोड़ रुपये का प्रावधान है, लेकिन समीक्षा रिपोर्ट में इनकी भौतिक प्रगति शून्य दर्ज है। 216 पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि के लक्ष्य के मुकाबले 37 काम पूरे हुए हैं। 48 अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों में से पांच लगाए गए हैं। नई बिजली लाइन बिछाने का लक्ष्य 1040 किलोमीटर है, जबकि अब तक 12 किलोमीटर का काम पूरा हुआ है।

मध्य क्षेत्र में उपकेंद्रों का काम आगे, नई लाइनें पीछे

मध्य क्षेत्र कंपनी के लिए भी 500 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। यहां 50 नए उपकेंद्र बनाने के लिए 138.40 करोड़ रुपये का प्रावधान है। रिपोर्ट के अनुसार, 12 उपकेंद्र मई 2027 और 20 उपकेंद्र दिसंबर 2027 तक पूरे करने का लक्ष्य है। शेष 18 उपकेंद्रों का निर्माण वन अनुमति, जमीन की उपलब्धता और व्यावसायिक व्यवहार्यता पर निर्भर बताया गया है। कंपनी को 130 पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ानी है, जिनमें से आठ काम पूरे हुए हैं। 139 अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों के लक्ष्य में 21 की स्थापना हुई है। नई लाइनों के लिए 2706.8 किलोमीटर का लक्ष्य है, लेकिन अब तक 13.5 किलोमीटर का काम पूरा हुआ है। इन लाइनों को अगस्त से दिसंबर 2027 के बीच पूरा करने की योजना है। मध्य क्षेत्र में योजना के कार्यों और राशि का आवंटन 25 सितंबर 2026 को किया गया था। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को भी 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यहां 40 नए उपकेंद्रों के निर्माण के लिए 121.15 करोड़ रुपये निर्धारित हैं, लेकिन रिपोर्ट में इनकी प्रगति शून्य दर्ज है। 71 पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि के लक्ष्य में से 28 काम पूरे हुए हैं, जबकि 113 अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों में से आठ लगाए गए हैं।

दिसंबर में होगी विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक

नए साल में अफसरशाही को मिलेगा पदोन्नति का तोहफा, 13 जिलों के कलेक्टरों को फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में नए साल की शुरुआत प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पदोन्नति की सौगात लेकर आएगी। प्रदेश के 13 जिलों में पदस्थ कलेक्टरों सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा के 150 से अधिक अधिकारियों को एक जनवरी 2027 से पदोन्नति का लाभ मिलेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिसंबर में होने वाली विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में अधिकारियों की पदोन्नति पर निर्णय लिया जाएगा। आईएएस अधिकारियों के अलावा भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय वन सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा, राज्य पुलिस सेवा, राज्य वन सेवा और राजस्व विभाग के अधिकारियों सहित करीब एक हजार अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिलने की संभावना है। विभाग की कोशिश है कि 31 दिसंबर तक सभी पदोन्नति आदेश जारी कर दिए जाएं।

रुचिका चौहान बनेंगी सचिव, 12 कलेक्टरों को मिलेगा अपर सचिव का पद- पदोन्नति के बाद वर्ष 2011 बैच की आईएएस अधिकारी और ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान सचिव बनेंगी। वहीं, वर्ष 2014 बैच के 12 आईएएस अधिकारियों को अपर सचिव पद पर पदोन्नति दी जाएगी। इनमें अशोकनगर कलेक्टर साकेत मालवीय, जबलपुर कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, खंडवा कलेक्टर ऋषभ गुप्ता, देवास कलेक्टर नेहा मीना, नर्मदापुरम कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, सिंगरौली कलेक्टर अंकित अस्थाना, बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह, मुरैना कलेक्टर लोकेश जांगिड़, सागर कलेक्टर दिलीप कुमार यादव, अलीराजपुर कलेक्टर नीतू माथुर, डिंडोरी कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया और निवाड़ी कलेक्टर जमुना भिड़े शामिल हैं।

तीन अधिकारियों को प्रमुख सचिव बनाने की तैयारी- वर्ष 2003 बैच के आईएएस अधिकारी संजय गोयल, निशांत वरवड़े और ज्ञानेश्वर बी. पाटिल को प्रमुख सचिव पद पर पदोन्नति मिलेगी। इनमें ज्ञानेश्वर बी. पाटिल वर्तमान में महाराष्ट्र में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। वहीं, वर्ष 2011 बैच के अधिकारियों को अपर सचिव से सचिव पद पर पदोन्नत किया जाएगा। इस सूची में वीएस चौधरी कोलसानी, हरजिंदर सिंह, रुचिका चौहान, सौरभ कुमार सुमन, नेहा मारव्या, विजय कुमार जे., अनुग्रह पी., बी. विजय दत्ता, मोहित बुंदस, संजीव श्रीवास्तव, चंद्रमौली शुक्ला, मनोज पुष्प, उमाशंकर भार्गव, गौतम सिंह, प्रीति जैन, उषा परमार, सरिता ओमबाला प्रजापति, मुजीबुर्रहमान खान, दिनेश जैन, गिरीश शर्मा, शिवराज सिंह वर्मा और वीरेंद्र कुमार के नाम शामिल हैं।



2014 बैच के 27 अधिकारियों पर पड़ेगा असर

वर्ष 2014 बैच के आईएएस अधिकारियों को उप सचिव से अपर सचिव पद का वेतनमान देने की तैयारी है। इस सूची में अवि प्रसाद, शीतला पटले, संकेत मालवीय, अरुण कुमार विश्वकर्मा, ऋषव गुप्ता, नेहा मीना, तन्वी हुड्डा, आशीष वशिष्ठ, अंकित अस्थाना, आदित्य सिंह, लोकेश जांगिड़, ऋजु बाफना, भव्या मित्तल, क्षितिज सिंघल, सलोनी सिडाना, दिलीप यादव, रानी बाटड़, चंद्रशेखर शुक्ला, दिलीप कुमार कापसे, बुद्धेश कुमार वैद्य, विनय निगम, अभय बेडेकर, सुधीर कोचर, अजयदेव शर्मा, नीतू माथुर, अंजू पवन भदौरिया और जमुना भिड़े शामिल हैं।

राज्य प्रशासनिक सेवा और मंत्रालय के कर्मचारियों की भी पदोन्नति

पदोन्नति की प्रक्रिया में राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। इन्हें उप जिला अधिकारी, संयुक्त कलेक्टर और अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नति दी जाएगी। राजस्व विभाग के वरिष्ठ तहसीलदार और भू-अभिलेख अधीक्षकों को भी उप जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति का अवसर मिलेगा। मंत्रालय में पदस्थ निजी सचिव, कार्यालय अधिकारी और अन्य कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए भी विभागीय समितियों की बैठकें आयोजित होंगी। वर्ष 2018 बैच के आईएएस अधिकारियों को कनिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी और वर्ष 2023 बैच के अधिकारियों को वरिष्ठ समयमान वेतनमान देने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है।

भोपाल की गृह निर्माण समितियों में होंगे चुनाव

180 सोसायटियों से हटेगा प्रशासक राज, गठित होगा नया संचालक मंडल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भू-माफिया और भ्रष्ट संचालक मंडलों के गठजोड़ ने भोपाल की गृह निर्माण समितियों को विवादों का अड्डा बना दिया। कहीं संस्थापक सदस्यों को प्लाट नहीं मिले तो कहीं करोड़ों की जमीन बिल्डरों को सौंप दी गई। जिले की 581 गृह निर्माण समितियों में से 180 में फिलहाल प्रशासक नियुक्त हैं। इनमें चुनाव कराकर निर्वाचित संचालक मंडल गठित करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। शुरुआती चरण में 65 समितियों में चुनाव कराए जाएंगे।इनमें से गायत्री, रोहित नगर, अमलताश, एसबीआई स्टाफ, स्वजन, सर्वोदय और नवीन नवयुवक गृह निर्माण समिति सहित अन्य संस्थाओं में चुनाव की तैयारी पूरी है।

बता दें कि लंबे समय से चल रहे प्रशासक राज को खत्म कर समितियों की कमान फिर रहवासियों के हाथों में सौंपने की तैयारी है। डेढ़ साल में सहकारिता विभाग को मिली 700 शिकायतें समितियों में गड़बड़ियों का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले डेढ़ साल में सहकारिता विभाग को करीब 700 शिकायतें मिली हैं। पहले रहवासी संचालक मंडलों पर भी भू-माफिया से मिलीभगत कर जमीनों की हेराफेरी, अवैध प्लाट आवंटन और रजिस्ट्रियों के आरोप लगे। कई मामलों में एफआईआर दर्ज हुई और संचालक मंडल के सदस्य जांच व अदालती कार्रवाई का सामना कर रहे हैं। इनमें प्रशासकों की नियुक्ति के बावजूद बुनियादी समस्याएं दूर नहीं हुईं। पानी, बिजली, सीवेज, सड़क, पार्क और स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं बदहाल हैं। समिति के फंड का हिसाब-किताब, किराएदारों का रिकार्ड, सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था तक की निगरानी प्रभावित है। मुख्य द्वार और अंदरूनी हिस्सों में अतिक्रमण बढ़ रहे हैं। विकास कार्यों और जरूरी फैसलों में देरी से रहवासियों की परेशानी बढ़ रही है।



जमीनों के खेल में ऐसे हुए बड़े घोटाले

गौरव, मंदाकिनी और महाकाली सोसायटी: आरोप है कि संस्थापक सदस्यों को प्लाट देने के बजाय नए सदस्य जोड़कर अवैध रजिस्ट्रियां की गईं।

गुलाबी और हेमा गृह निर्माण संस्था: अनियमितताओं के मामले में शाहपुरा थाने में एफआईआर दर्ज।

तिलक गृह निर्माण संस्था: 93.43 एकड़ भूमि के स्वामित्व अधिकार बिल्डर को देकर जमीन बेचने के मामले में कोहेफिजा थाने में एफआईआर।

126 भूखंडों का मामला: संचालक मंडल के 22 सदस्यों पर अवैध आवंटन और पंजीयन के जरिए 18 करोड़ रुपये के गबन के आरोप हैं। ईओडब्ल्यू में जांच जारी है।

आकांक्षा गृह निर्माण संस्था: 5.5 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में कोलार थाने में प्रकरण दर्ज है।

चुनाव होने से यह होगा बदलाव

निर्वाचित संचालक मंडल बनने से रहवासियों की भागीदारी बढ़ने, कालोनी के विकास कार्यों पर सीधे निर्णय लेने और आय-व्यय का हिसाब मांगने का रास्ता खुलेगा। हालांकि चुनाव के साथ पारदर्शी आडिट, जमीनों के रिकार्ड का सत्यापन और पुराने घोटालों में जवाबदेही तय करना भी जरूरी होगा, ताकि प्रशासक राज की जगह फिर भू-माफिया और प्रभावशाली लोगों का कब्जा न हो।

33,834 शिक्षकों ने किया है आवेदन

एमपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारी तेज, सीसीटीवी से होगी सख्त निगरानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की ओर से 20 दिसंबर को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए केंद्रों की सूची और दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा जिला मुख्यालयों पर आयोजित होगी और सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। परीक्षा सुबह 11 बजे से शुरू होगी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद प्रदेश में शिक्षकों की यह पहली पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है। कोर्ट ने राज्य सरकार को वर्ष 2028 तक तीन साल के अंतराल में पात्रता परीक्षा आयोजित कर शिक्षकों की पात्रता परीक्षा कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हर साल दो परीक्षाएं कराने की बात कही गई है। हालांकि, मध्यप्रदेश में इस साल एक ही परीक्षा आयोजित हो सकेगी।

प्राथमिक और माध्यमिक वर्ग के शिक्षक होंगे शामिल

मंडल की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेशभर से कुल 33,834 शिक्षक परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें 15,176 प्राथमिक और 18,658 माध्यमिक वर्ग के शिक्षक हैं। परीक्षा में करीब 20 हजार सरकारी और 14 हजार निजी विद्यालयों के शिक्षक शामिल होंगे। आवेदन की अंतिम तारीख तीन बार बढ़ाने के बाद कुल इतने आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिलेवार आंकड़ों में सबसे अधिक 1,474 आवेदन रीवा से प्राप्त हुए हैं। छतरपुर में 1,229, मंडला में 1,227, उज्जैन में 1,142, रतलाम में 1,081 और सागर में 1,038 शिक्षक परीक्षा देंगे। वहीं जबलपुर में 1,026, इंदौर में 907, ग्वालियर में 696 और भोपाल में 616 शिक्षकों ने आवेदन किया है। परीक्षा के विस्तृत दिशा-निर्देश मंडल की ओर से अलग से जारी किए जाएंगे।

इंदौर में वायु प्रदूषण की बड़ी वजह खराब सड़कें और घटती हरियाली

इंदौर। स्वच्छता में देशभर में अपनी पहचान बना चुका इंदौर स्वच्छ हवा के मामले में चुनौतियों से जूझ रहा है। शहर में खराब सड़कें, जगह-जगह उखड़ा डामर, निर्माण कार्यों से उड़ती धूल, वाहनों का धुआं और लगातार कम होती हरियाली वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले प्रमुख कारक बन रहे हैं। विडंबना यह है कि इंदौर के पास नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत कार्य योजना भी है। प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई विभागों की जिम्मेदारियां भी तय हैं, इनके बीच आपसी तालमेल की कमी के कारण अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ पा रहे हैं। वहीं, चंडीगढ़ ने सड़क किनारे हरियाली, ग्रीन बेड, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और नियमित सड़क सफाई जैसे छोटे प्रभावी उपायों से वायु गुणवत्ता सुधारने की दिशा में उल्लेखनीय काम किया है।

भोपाल के 14 लाख राशन कार्डधारियों की होगी जांच

राशन के लिए दिसंबर तक कराना होगा सत्यापन आधार और समग्र में एक ही मोबाइल नंबर अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के करीब 14 लाख राशन कार्डधारियों के लिए जरूरी खबर है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन प्राप्त करने वाले सभी परिवारों को दिसंबर तक अपने सदस्यों का सत्यापन कराना होगा। नई व्यवस्था में परिवार के प्रत्येक सदस्य के आधार कार्ड और समग्र पोर्टल में दर्ज मोबाइल नंबर एक समान होना अनिवार्य किया गया है। दोनों दस्तावेजों में अलग-अलग मोबाइल नंबर होने पर हितग्राहियों को पहले उनमें सुधार कराना होगा। सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही परिवार के सदस्यों को नई डिजिटल राशन वितरण प्रणाली में शामिल किया जाएगा। एक जनवरी 2027 से इसी नई व्यवस्था के तहत राशन वितरण शुरू करने की तैयारी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाने के लिए भोपाल जिले का चयन केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पर आधारित राशन वितरण की प्रायोगिक परियोजना के लिए किया गया है।



राशन दुकान पर जाकर कराना होगा सत्यापन

जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि राशन कार्डधारी जिस उचित मूल्य दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं, उन्हें वहीं जाकर परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी दर्ज करानी होगी। साथ ही प्रत्येक सदस्य के आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर और समग्र पोर्टल पर दर्ज मोबाइल नंबर का मिलान भी कराना होगा। दोनों जगह मोबाइल नंबर अलग-अलग होने पर पहले आवश्यक संशोधन कराना होगा। इसके बाद उचित मूल्य दुकान पर पहुंचकर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करानी होगी।

दो राज्यों के रेलवे स्टेशनों पर सीधी नजर

70 से अधिक वीडियो सर्विलांस से जुड़े, 24 घंटे रहेगी निगरानी

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय से अब मध्यप्रदेश से लेकर राजस्थान तक फैले रेल जोन के स्टेशनों की गतिविधियों पर सीधी नजर रखी जा सकेगी। इसके लिए मुख्यालय स्थित वार रूम को आधुनिक तकनीक और बेहतर वीडियो सर्विलांस नेटवर्क के साथ अपग्रेड किया गया है।

इसके माध्यम से जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडल के व्यस्त एवं प्रमुख रेलवे स्टेशन सीधे मुख्यालय की निगरानी में रहेंगे। स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही, भीड़ की स्थिति, सुरक्षा व्यवस्था और यात्री सुविधाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा सकेगी। खास बात यह है कि किसी स्टेशन पर अव्यवस्था या व्यवस्था में कमी सामने आने पर मुख्यालय से तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर सुधारात्मक कार्रवाई कराई जा सकेगी।

पश्चिम मध्य रेल का क्षेत्राधिकार मध्यप्रदेश के बड़े हिस्से के साथ राजस्थान के कुछ क्षेत्रों तक विस्तृत है। ऐसे में प्रत्येक स्टेशन की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए अधिकारियों को मौके पर पहुंचने की आवश्यकता नहीं होगी। अपग्रेडेड वॉर रूम के जरिए मुख्यालय में बैठकर ही स्टेशनों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। इसके लिए तीनों मंडलों के कंट्रोल रूम को मुख्यालय के वार रूम से सीधे जोड़ा गया है। वहीं, रेल सुरक्षा बल की ओर से स्थापित सीसीटीवी कैमरों की एक्सेस भी वार रूम को उपलब्ध कराई गई है।

मेट्रो एंकर भोपाल में सजा तकनीक और नवाचार का महाकुंभ

500 से ज्यादा युवाओं ने सीखे भविष्य के हुनर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में तकनीक और नवाचार के क्षेत्र से जुड़े युवाओं को नई दिशा देने के उद्देश्य से देवफेस्ट-2026 का आयोजन किया गया। गूगल डेवलपर समूह क्लाउड भोपाल की ओर से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित इस तकनीकी महोत्सव में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें विद्यार्थी, संगणक कार्यक्रम विकसित करने वाले युवा, तकनीकी विशेषज्ञ और नवउद्यमी शामिल रहे। पूरे आयोजन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संगणकीय बादल, आधुनिक संगणक प्रणालियों और नवीन तकनीकों के भविष्य पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में नौ वक्ताओं ने विभिन्न तकनीकी विषयों पर अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा की। आयोजन के दौरान छह मुख्य सत्र और तीन प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य प्रतिभागियों को केवल नई तकनीकों की जानकारी देना ही नहीं, बल्कि उनके व्यावहारिक उपयोग और कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से भी परिचित कराना था।

भविष्य पंडित ने बड़े स्तर पर काम करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों के निर्माण और उनके विस्तार की जानकारी दी। प्रेक्षा महाजन ने उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ा प्रबंधन की कार्यप्रणाली समझाई, जबकि हेमंत गुप्ता ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वचालित कार्यकारी प्रणालियों पर विचार रखे। अनन्या शर्मा ने गूगल की संगणकीय बादल सेवाओं और बड़े स्तर पर तकनीक के विस्तार से जुड़े पहलुओं पर प्रकाश डाला।

आयोजकों के अनुसार, भोपाल में देवफेस्ट का आयोजन वर्ष 2021 से लगातार किया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य युवाओं को तकनीकी क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञों से जोड़ना, उन्हें नई तकनीकों से परिचित कराना और व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराना है। साथ ही भोपाल में तकनीकी विकास, नवाचार और संगणक कार्यक्रम विकास से जुड़े समुदाय को मजबूत बनाने की दिशा में भी यह आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष 500 से अधिक प्रतिभागियों की मौजूदगी ने राजधानी में तकनीकी क्षेत्र के प्रति युवाओं की बढ़ती रुचि को भी दर्शाया।



जेमिनी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर विशेष चर्चा

सृष्टि राघभोगे ने फायरबेस कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जेमिनी तकनीक के माध्यम से नए कौशल विकसित करने की जानकारी दी। वहीं, गौरव घई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कार्यकारी प्रणालियों के वास्तविक उपयोग और नवउद्यमों में उनके महत्व को अपने अनुभवों के माध्यम से समझाया। नील शाह ने प्रशिक्षण कार्यशाला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यकारी प्रणाली, एडीके, क्लाउड रन और क्लाउड ट्रेस जैसे विषयों की जानकारी दी। अजो जोसेफ ने एडीके और एजेंट टू एजेंट तकनीक के माध्यम से दूरस्थ कार्यकारी प्रणालियों को आपस में जोड़ने की प्रक्रिया समझाई। वहीं, अंकुर प्रजापति ने जेमिनी, फ्लो और ओम्नी के उपयोग से सामग्री तैयार करने तथा विभिन्न कार्यों को स्वचालित बनाने का प्रशिक्षण दिया।

बाजार के उतार-चढ़ाव से सबक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आर्थिक स्थिति और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का हवाला देते हुए सोने की खरीद कम करने की अपील की थी। अब सोने के दामों में गिरावट देखने को मिल रही है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सरकार सोने की खरीद घटाने का आग्रह कर रही थी, तब कीमतों में तेजी और अब गिरावट का आम आदमी के लिए क्या अर्थ है? क्या सोने की खरीद रोकने की अपील से बाजार में कोई स्थायी बदलाव आ सकता है या यह महज वैश्विक परिस्थितियों का परिणाम है? सोना भारतीय समाज में सिर्फ आभूषण नहीं, बल्कि बचत, सुरक्षा और परंपरा का प्रतीक है। शादी-ब्याह से लेकर त्योहारों तक इसकी खरीदारी का विशेष महत्व है। देश में सोने की मांग का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। ऐसे में सोने की खरीद बढ़ने से विदेशी मुद्रा खर्च होती है और चालू खाते के घाटे पर दबाव बढ़ सकता है। सरकार की चिंता को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। यदि आयात पर निर्भरता कम होती है तो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

लेकिन सोने की कीमतें केवल घरेलू मांग से तय नहीं होतीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भाव, डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति, ब्याज दरें, भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की धारणा भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सोने के दामों में आई गिरावट को प्रधानमंत्री की अपील का सीधा परिणाम मान लेना जल्दबाजी होगी। बाजार की चाल कई कारकों से प्रभावित होती है और कीमतों में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। सरकार की अपील का उद्देश्य यदि देश की आर्थिक मजबूती है तो नागरिकों को भी इस दिशा में सोचने की जरूरत है। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं कि लोग अपनी पारिवारिक जरूरतों या बचत के फैसले केवल बाजार की तात्कालिक चाल देखकर करें। सोने की खरीद में जल्दबाजी और गिरावट के डर से अचानक बिक्री, दोनों ही नुकसानदेह हो सकते हैं।

यह भी जरूरी है कि सरकार सोने के आयात पर निर्भरता घटाने के लिए केवल अपील तक सीमित न रहे। घरेलू स्वर्ण भंडार का बेहतर उपयोग, पारदर्शी निवेश विकल्प और पुराने सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था में लाने की प्रभावी व्यवस्था इस दिशा में मददगार हो सकती है। सोने के दामों में गिरावट खरीदारों के लिए राहत का अवसर हो सकती है, लेकिन असली सफलता तब होगी जब देश की अर्थव्यवस्था सोने के आयात पर कम निर्भर हो। नागरिकों की जिम्मेदारी और सरकार की नीतियां मिलकर ही इस लक्ष्य को हासिल कर सकती हैं।

एपेक शिखर सम्मेलन पर राहुल गांधी का अज्ञान और भारत की मजबूत स्थिति

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार



कांग्रेस और प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने अमेरिका में बैठे हुए एपेक शिखर सम्मेलन को लेकर सोशल मीडिया में भारत के लोकतंत्र पर हमला करते हुए टिपण्णी की कि ' यदि कांग्रेस की सरकार होती तो भारत का प्रधान मंत्री इस टेबल पर बैठा होता। समझौतावादी (कम्प्रोमाइज्ड) प्रधान मंत्री कभी इस टेबल पर नहीं बैठ सकता। ' उनका सीधा निशाना तीन बार चुनाव के जरिये प्रधान मंत्री पद पर बैठे और विश्व के अनेक प्रमुख संगठनों , शीर्षस्थ राष्ट्रपति, प्रधान मंत्रियों द्वारा सराहे जा रहे भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर था। राहुल गाँधी ऐसी अशोभनीय बात और अपने अज्ञान को जग जाहिर करने से पहले किसी सलाहकार या डिजिटल गूगल से अपना रिकॉर्ड देख लेते। सांसद के नाते राहुल गाँधी संसद की विदेश मंत्रालय की सलाहकार समिति के सदस्य कई वर्ष रहे और इस समय भी रक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति के सम्मानित सदस्य हैं। उन्हें इतनी सी जानकारी नहीं है कि एपेक की ये मीटिंग प्रशांत महासागर वाले देशों की होती है। भारत हिंद महासागर क्षेत्र में है, इसलिए हम उसके सदस्य नहीं हैं। इसी वजह से कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री कभी इस टेबल पर नहीं बैठा, चाहे कांग्रेस हो या कोई और। यही नहीं 1989 में बने इस संगठन के लिए 1991 में कांग्रेस के प्रधान मंत्री नरसिंहा राव की सरकार ने संगठन की सदस्यता के लिए आवेदन किया था और उनके वित्त मंत्री रहे मनमोहन सिंह के दस साल सरकार में रहने तक भारत को न सदस्य बनाया गया , न ही कोई गया।

इसे संयोग कहा जाए अथवा कूटनीति कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद ब्राज़ील में हो रही एपेक की बैठक में केवल ' अतिथि ' के नाते चीन के राष्ट्रपति ने ही निमंत्रण भेजा था , लेकिन सदस्यता के बिना दर्शक के रूप में जाना भारत सरकार ने स्वीकार नहीं किया। वर्तमान में एपेक के 21 देश सदस्य हैं। इनमें अमेरिका, चीन, रूस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, कनाडा, इंडोनेशिया, वियतनाम, सिंगापुर और अन्य प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं।यह संगठन सैन्य गठबंधन नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य व्यापार, निवेश, तकनीकी सहयोग और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना है।



चीन के शेनझेन शहर में 18-19 नवंबर को आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग संगठन (एपेक) का 33वाँ शिखर सम्मेलन विश्व राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटना बन गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहली संयुक्त त्रिपक्षीय बैठक ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में नई संभावनाओं के साथ कई गंभीर प्रश्न भी खड़े कर दिए हैं।यह केवल तीन राष्ट्रपतियों का मिलना नहीं था। ये तीन ऐसी महाशक्तियों के नेता हैं जिनके बीच गंभीर राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक मतभेद हैं। अमेरिका और चीन विश्व व्यापार, तकनीक और सामरिक प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अमेरिका और रूस के संबंध यूक्रेन युद्ध तथा प्रतिबंधों से प्रभावित हैं। दूसरी ओर रूस और चीन के बीच पिछले वर्षों में आर्थिक तथा सामरिक निकटता बढ़ी है। ऐसी परिस्थितियों में तीनों नेताओं का एक मंच पर आना महत्वपूर्ण है। लेकिन भारत के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका, चीन और रूस के बीच किसी नई समझदारी से विश्व शक्ति-संतुलन बदलेगा? और क्या भारत इस बदलती व्यवस्था में अपनी स्वतंत्र तथा प्रभावशाली भूमिका बनाए रख सकेगा?

सम्मेलन के अवसर पर अमेरिका , रूस , चीन के राष्ट्रपति ट्रम्प, पुतिन और शी जिनपिंग की 19 नवंबर की बैठक ने आर्थिक एजेंडे से अलग विश्व सुरक्षा और महाशक्तियों के संबंधों को चर्चा के केंद्र में ला दिया।शेनझेन में लगभग 90 मिनट चली त्रिपक्षीय बैठक के बाद चार प्रमुख विषयों पर संयुक्त घोषणा जारी की गई। पहला, संयुक्त राष्ट्र में सुधार की आवश्यकता। दूसरा, पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाना। तीसरा, अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों तथा सरकारी अधिकारियों की कानूनी प्रतिरक्षा से संबंधित प्रश्न। चौथा, परमाणु युद्ध के जोखिम को कम करने के लिए सहयोग।

बैठक में यूक्रेन युद्ध पर चर्चा हुई, लेकिन संयुक्त घोषणा में उसका स्पष्ट समाधान प्रस्तुत नहीं किया गया। ईरान और पश्चिम एशिया के संकट पर भी कोई निर्णायक समझौता सामने नहीं आया। इसका अर्थ है कि तीनों देशों ने संवाद का रास्ता खोला है, लेकिन उनके मूल राजनीतिक मतभेद समाप्त नहीं हुए हैं।विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों की शक्तियों को सीमित करने संबंधी दृष्टिकोण विवादास्पद है। मानवाधिकार, युद्ध अपराध और अंतरराष्ट्रीय कानून के समर्थक इसे जवाबदेही कमजोर करने का प्रयास मान सकते हैं। इस सम्मेलन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की रही।चीन ने तीनों महाशक्तियों को अपने देश में एक मंच पर लाकर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अपनी भूमिका प्रदर्शित की।यह चीन की उस दीर्घकालीन रणनीति के अनुरूप है जिसके अंतर्गत वह केवल विश्व का बड़ा औद्योगिक और निर्यात केंद्र नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक व्यवस्था का प्रमुख निर्माता भी बनना चाहता है। भारत एपेक का सदस्य नहीं है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि वह एशिया-प्रशांत की राजनीति से बाहर है।भारत क्वाड में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग कर रहा है।ब्रिक्स में चीन और रूस के साथ उसकी भागीदारी है।शंघाई सहयोग संगठन में भी भारत सदस्य है।आसियान देशों के साथ भारत की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी लगातार विकसित हुई है।इस प्रकार भारत विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से अपनी स्वतंत्र विदेश नीति चला रहा है।भारत अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यवस्थाओं के माध्यम से भी अपने आर्थिक हितों को आगे बढ़ा रहा है। भारत की आर्थिक सफलताओं की विश्व संस्थाएं तारीफ़ कर रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता को महत्व दिया गया है।भारत ने अमेरिका के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग बढ़ाया है, लेकिन रूस के साथ पुराने संबंध भी बनाए रखे हैं।चीन के साथ सीमा विवाद और अन्य मतभेदों के बावजूद ब्रिक्स तथा शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर संवाद जारी है। यदि अमेरिका और रूस के संबंध सुधरते हैं, तो भारत पर रूस के साथ सहयोग को लेकर पश्चिमी दबाव कम हो सकता है।रक्षा उत्पादन, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, परमाणु ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों में आत्मनिर्भर क्षमता बढ़ाना विदेश नीति की सफलता से सीधे जुड़ा हुआ है।

शेनझेन की बैठक से एक बात अवश्य स्पष्ट होती है–विश्व व्यवस्था बदल रही है, महाशक्तियाँ अपने संबंधों को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं और भारत को अपनी स्वतंत्र शक्ति तथा कूटनीतिक प्रभाव बढ़ाने के लिए तैयार रहना होगा।क्योंकि आने वाले समय में विश्व राजनीति का सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं होगा कि अमेरिका, चीन और रूस क्या तय करते हैं, बल्कि यह भी होगा कि भारत उन निर्णयों को किस सीमा तक प्रभावित कर सकता है।

राहुल गांधी और उनकी समर्थक मंडली को यह तथ्य भी समझ लेना चाहिए कि विश्व के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भारत की सदस्यता और प्रभावशाली भूमिका है। भारत आज दुनिया के अनेक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संगठनों, आर्थिक मंचों, सुरक्षा समूहों और क्षेत्रीय सहयोग संस्थाओं का सदस्य है। इनमें जी 20, जी 7 का आमंत्रित भागीदार, ब्रिक्स , एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन), राष्ट्र मंडल , क्वाड , संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।भारत की विदेश नीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि वह अमेरिका, रूस, यूरोप और विकासशील देशों के साथ अलग-अलग मंचों पर सहयोग करता है। इसे प्रायः रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय कूटनीति कहा जाता है।उदाहरण के लिए, क्वाड में भारत अमेरिका और जापान के साथ है, जबकि ब्रिक्स , एससीओ में रूस तथा चीन के साथ। जी 20 में भारत इन सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के साथ बैठता है। यह भारत को व्यापार, ऊर्जा, तकनीक, सुरक्षा और वैश्विक शासन के मुद्दों पर विभिन्न शक्तियों के साथ बातचीत करने का अवसर देता है।रूस के राष्ट्रपति पुतिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प मोदी के राजनीतिक नेतृत्व और व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों उनके साथ व्यक्तिगत मित्रता को महत्व देते हैं। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उनके नेतृत्व और उपलब्धियों को स्वीकार किया। इस तरह भारत की स्थिति बहुत हद तक बेहतर है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हमारी सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए पुस्तकों को बचाना होगा

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



मनुष्य के जीवन मे पुस्तको का महत्व केवल पढ़ने और जानकारी प्राप्त करने तक सीमित नही हैं। पुस्तके मनुष्य के सोच को दिशा देती है,उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है और समाज को ज्ञान,विवेक तथा संस्कारो से समृद्ध बनाती है।पुस्तकें केवल कागज के पन्नों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि उनमें किसी लेखक का जीवनभर का अनुभव, चिंतन, साधना और उसकी आत्मा समाहित रहती है। किसी पुस्तक को खोलना ऐसा है, जैसे हम किसी विद्वान, विचारक या महापुरुष के साथ बैठकर संवाद कर रहे हों। इसलिए कहा गया है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। समाधि में महापुरुषों का शरीर भले ही दिखाई न दे, लेकिन उनके विचार और जीवन-दर्शन पुस्तकों के माध्यम से सदियों तक जीवित रहते हैं।

दिल्ली की 135 वर्ष पुरानी सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की 8.5 लाख पुस्तकों को दूसरी जगह स्थानांतरित करने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी ने पुस्तक संस्कृति के महत्त्व पर एक बार फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। न्यायालय ने 20 नवंबर तक पुस्तकों को हटाने पर रोक लगाते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि इन पुस्तकों का क्या किया जाएगा। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने कहा कि पुस्तकों की कुछ तो इज्जत कीजिए। यदि इनकी जरूरत नहीं है तो ऐसे देश को दे दीजिए जो इनकी कद्र करता हो। न्यायलय की यह टिप्पणी केवल एक पुस्तकालय के संग्रह की चिंता नही,बल्कि ज्ञान, इतिहास और बौद्धिक विरासत के संरक्षण का संदेश है। इस संग्रह का इतिहास वर्ष 1702 तक जाता है। सेंट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत शास्त्री भवन को गिराया जाना है, जहां यह पुस्तकालय संचालित है। सरकार नई जगह अधिक क्षेत्रफल उपलब्ध कराने की बात कह रही है, लेकिन प्रश्न केवल जगह का नहीं, बल्कि पुस्तकों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके सम्मान का है। पुस्तकें किसी भी सभ्य समाज की असली पूंजी होती हैं। धन-संपत्ति समय के साथ समाप्त हो सकती है, भवन पुराने होकर टूट सकते हैं और सत्ता परिवर्तन के साथ व्यवस्थाएं बदल सकती हैं, लेकिन पुस्तकों में सुरक्षित विचार पीढ़ियों तक समाज का मार्गदर्शन करते रहते हैं। रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता, धम्मपद, जैन आगम और अनेक धार्मिक तथा दार्शनिक ग्रंथ इसका उदाहरण हैं। इन ग्रंथों ने समय के अनेक उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन उनका महत्त्व कम नहीं हुआ। भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, भगवान राम, भगवान कृष्ण और अनेक महापुरुषों के विचार आज भी पुस्तकों के माध्यम से हमारे जीवन को दिशा दे रहे हैं। यही पुस्तकों का वास्तविक अमरत्व है।



एक विचारक ने कहा है कि पुस्तकें ज्ञानियों की समाधि हैं। किसी पुस्तक में ऋषभदेव, अरिष्टनेमि और भगवान महावीर के विचार मिलते हैं तो किसी में राम, कृष्ण और बुद्ध का जीवन-दर्शन मिलता है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अनेक संतों की वाणी आज भी पुस्तकें खोलते ही हमारे सामने जीवंत हो उठती है। कार्लाइल का विचार था कि मनुष्य ने जो कुछ किया,सोचा और पाया है,वह पुस्तको के पृष्ठों में सुरक्षित है। वास्तव में पुस्तकें बीते हुए समय और वर्तमान पीढ़ी के बीच ऐसा सेतु हैं, जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। पुस्तकों की एक विशेषता यह भी है कि वे केवल अच्छी बातें ही नहीं सिखातीं, बल्कि गलत विचारों से सावधान रहने की समझ भी विकसित करती हैं। हर पुस्तक उपयोगी हो, यह आवश्यक नहीं है। अच्छी पुस्तक मनुष्य को सद्मार्ग दिखाती है, जबकि भ्रामक और नकारात्मक साहित्य उसे गलत दिशा में ले जा सकता है। इसलिए पुस्तक पढ़ने के साथ उसके विचारों को समझना और विवेक से स्वीकार करना भी जरूरी है। अच्छी पुस्तक सच्चे मित्र की तरह होती है। वह अकेलेपन में साथ देती है, कठिन समय में रास्ता दिखाती है और बिना किसी स्वार्थ के ज्ञान बांटती है।

पुस्तको का इतिहास भी मानव सभ्यता के विकास की कहानी है। प्राचीन समय मे ज्ञान को श्रवण और स्मरण के माध्यम से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाया जाता था।

वेद श्रुति कहलाए और जैन अगम भी श्रुत परंपरा से आगे बढ़े। बाद में भोजपत्र, ताड़पत्र और अन्य माध्यमों पर ग्रंथ लिखे जाने लगे। पुस्तक तैयार करना कठिन साधना थी। एक प्रति लिखने में वर्षों लग जाते थे। जैन आचार्यों ने ज्ञान के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए। देवर्धिगणी क्षमाश्रमण ने ज्ञान के विस्मृत होने की आशंका को समझते हुए आगमों को लिखित रूप में सुरक्षित करने की आवश्यकता अनुभव की। यह प्रसंग बताता है कि ज्ञान को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना कितना बड़ा दायित्व है।

आज मुद्रण और तकनीक ने पुस्तकों को सहज उपलब्ध करा दिया है। इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों ने ज्ञान के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इससे पुस्तकालयों की उपयोगिता समाप्त नहीं हुई है। पुस्तकालय वह स्थान है जहां अलग-अलग विषयों का ज्ञान एक साथ मिलता है। वहां विद्यार्थी, शोधकर्ता, लेखक और सामान्य पाठक अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं। ऐतिहासिक पुस्तकों और दुर्लभ पांडुलिपियों का महत्त्व तो और भी अधिक है, क्योंकि उनके नष्ट होने का अर्थ इतिहास के एक हिस्से का हमेशा के लिए खो जाना है। ज्ञान की आराधना केवल पुस्तकों की पूजा करने से पूरी नहीं होती। अच्छी पुस्तकें पढ़ना, उन्हें सुरक्षित रखना, पुस्तकालयों को समृद्ध बनाना और नई पीढ़ी में अध्ययन की रुचि पैदा करना भी उतना ही आवश्यक है। परिवारों में मोबाइल के साथ पुस्तके पढ़ने की आदत भी डालनी चाहिए। विधालयो और सामाजिक संस्थाओं को पुस्तकालयो के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

सरकारों की जिम्मेदारी है कि विकास परियोजनाओं के साथ ज्ञान और विरासत के सरंक्षण को भी सम्मान महत्व दे।

पुरानी इमारते हटाई जा सकती है,लेकिन उसमें सुरक्षित ऐतिहासिक संग्रह को लापरवाही से नही देखा जा सकता। सेंट्रल सेक्रेटेरिएट लाइब्रेरी की पुस्तकों का स्थानांतरण पूरी सुरक्षा, उचित व्यवस्था और विशेषज्ञों की निगरानी में होना चाहिए। उनका सूचीकरण ,सरंक्षण और पाठकों की पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। अंततः पुस्तकें केवल पढ़ने की वस्तु नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की स्मृति और भविष्य की दिशा हैं। रोटी शरीर को जीवन देती है और अच्छी पुस्तक जीवन जीने की कला सिखाती है। पुस्तके बचेगी तो विचार बचेंगे,विचार बचेंगे तो संस्कार बचेंगे और संस्कार बचेंगे तो समाज की बौद्धिक सम्पन्नता बनी रहेगी। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को इसी व्यापक दृष्टि से समझने की जरूरत है। पुस्तकों का सम्मान वास्तव में ज्ञान का सम्मान है। जिस समाज में पुस्तकों की कद्र होती है, वहां विचारों की गरीबी नहीं होती। इसलिए पुस्तको केवल अलमारियों में सजाकर रखना पर्याप्त नही है, उन्हें पढ़ना, समझना, संरक्षित करना और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा सामूहिक दायित्व है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

इससे बेहतर और नहीं कुछ...

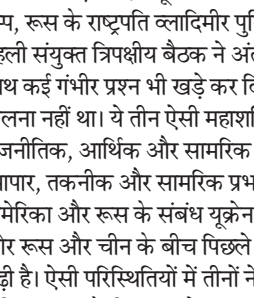

धर्मराज देशराज

मेरा ईश्वर और नही कुछ
मां से बढ़कर और नही कुछ।
प्यार भरा है दर्द ग़मों संग
दिल के अंदर और नही कुछ।
बन्द तिज़ोरी मे जो रक्खा
कंकर -पत्थर और नही कुछ।
दिल की कहता दिल की सुनता
ग़ज़लों का घर और नही कुछ।
प्यार की दौलत का क्या कहना
लालो - गौहर और नही कुछ।
मैं गलियों का इक बंजारा
दीवारो - दर और नही कुछ।
इज़्ज़त के संग जीना -मरना
इससे बेहतर और नही कुछ।
जिस्म हमारा क्या है यारो
सांसों का घर और नही कुछ।
कुछ भी हस्ती नही 'धरम' की
आम सुख़नवर और नहीं कुछ।

वायरल कंटेंट

सोशल मीडिया ने बदली दो साल के बच्चे की किस्मत, ग्रेजुएशन तक पढ़ाई होगी मुफ्त

महाराष्ट्र के एक छोटे से बच्चे की मासूमियत और अनोखे अंदाज ने सोशल मीडिया पर ऐसा जादू चलाया कि उसकी जिंदगी में खुशियों की नई कहानी लिख गई। महज दो साल के रुद्रांश सिंह ठाकुर का स्कूटी की डिलीवरी लेते हुए वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ तो देखते ही देखते वह देशभर में चर्चा का विषय बन गया। वीडियो को अब तक 13.7 करोड़ यानी 137 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। लेकिन इस लोकप्रियता का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि अब एक कारोबारी ने उसकी पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का जिम्मा लिया है। रुद्रांश अब केजी-1 से लेकर ग्रेजुएशन तक मुफ्त पढ़ाई कर सकेगा। सोशल मीडिया पर अक्सर किसी की प्रतिभा, अनोखे अंदाज या मासूमियत लोगों का दिल जीत लेती है। रुद्रांश के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। नई स्कूटी की डिलीवरी लेते समय उसका आत्मविश्वास और खास अंदाज कैमरे में कैद हो गया। वीडियो सोशल मीडिया पर साझा हुआ तो लोगों ने उसे हाथोंहाथ लिया।



छोटे से बच्चे का अंदाज देखकर यूजर्स ने खूब प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने उसके स्वैग की तारीफ की तो किसी ने उसके एटीट्यूड को मजेदार बताया। देखते ही देखते वीडियो पर व्यूज का आंकड़ा करोड़ों में पहुंच गया। रुद्रांश की लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि वह इंटरनेट पर लोगों का चहेता बन गया। वीडियो बनाने वाले यश चिंचोलकर ने भी बच्चे को मिल रहे प्यार पर खुशी जाहिर की। सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रुद्रांश को कई लोगों की ओर से उपहार भी मिलने लगे। रुद्रांश की लोकप्रियता के बीच महाराष्ट्र में साई पॉइंट होंडा के मालिक दिलीप बोबाडे पाटिल ने एक ऐसी पहल की, जिसने इस कहानी को खास बना दिया। उन्होंने रुद्रांश की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया है। इस फैसले के तहत अब बच्चे की केजी-1 से लेकर ग्रेजुएशन तक की शिक्षा का खर्च दिलीप बोबाडे पाटिल उठाएंगे। यानी सोशल मीडिया पर मिली लोकप्रियता के बीच रुद्रांश को ऐसा सहयोग मिला है, जो उसके भविष्य को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है।

यश चिंचोलकर ने इस पहल की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रुद्रांश को पहले भी कई लोग उपहार दे रहे थे, लेकिन अब किसी ने उसकी पढ़ाई और भविष्य की जिम्मेदारी लेने का फैसला किया है। रुद्रांश की मां भी बेटे को मिल रहे प्यार और सम्मान से भावुक हैं। उन्होंने बताया कि पहले वह दूसरों के बच्चों की रील देखा करती थीं, लेकिन अब लोग उनके बेटे के वीडियो देख रहे हैं और उसे इतना प्यार दे रहे हैं। बच्चे की पढ़ाई के लिए मिले इस सहयोग को उन्होंने बड़ी खुशी बताया।

रुद्रांश का वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट: @bhonduuu_baccha से साझा किया गया था। इस पर हजारों लोगों ने प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने उसे छोटे डॉन जैसा बताया तो किसी ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि बच्चे का वजन भले ही पांच किलो हो, लेकिन उसका एटीट्यूड पांच हजार किलो वाला है। यह कहानी बताती है कि इंटरनेट पर मिली लोकप्रियता कभी-कभी किसी के जीवन में सकारात्मक बदलाव का माध्यम भी बन सकती है। रुद्रांश के लिए यह वीडियो सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं रहा, बल्कि उसकी पढ़ाई और भविष्य को बेहतर बनाने की एक उम्मीद भी बन गया है।

कंज्यूमर अपडेट

11 हजार रुपये सस्ता हुआ सैमसंग का दमदार स्मार्टफोन, मिलेगी अच्छी डील

नया स्मार्टफोन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो सैमसंग का Galaxy A56 आपके लिए एक विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट पर यह फोन अपनी सामान्य कीमत से 11,222 रुपये कम में उपलब्ध है। इसके अलावा बैंक कार्ड से भुगतान करने पर अतिरिक्त छूट भी मिल सकती है। बड़ी स्क्रीन, अच्छे कैमरे और लंबी चलने वाली बैटरी वाला यह फोन उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है, जो रोजमर्रा के इस्तेमाल के साथ फोटो, वीडियो और मनोरंजन के लिए भी स्मार्टफोन चाहते हैं।



सैमसंग गैलेक्सी A56 की सामान्य कीमत 44,999 रुपये बताई गई है। फ्लिपकार्ट पर इसे फिलहाल 33,777 रुपये में लिस्ट किया गया है। यानी सामान्य कीमत के मुकाबले 11,222 रुपये की बचत हो सकती है। इसके अलावा पंजाब नेशनल बैंक के क्रेडिट कार्ड से भुगतान करने पर 2,350 रुपये की अतिरिक्त छूट का विकल्प भी दिया जा रहा है। यदि यह छूट पूरी तरह लागू होती है, तो फोन की प्रभावी कीमत 31,427 रुपये रह जाएगी।

Galaxy A56 में 6.7 इंच की बड़ी स्क्रीन दी गई है। इसमें रंग और तस्वीरें साफ दिखाई देती हैं। फिल्में देखने, सोशल मीडिया चलाने और वीडियो कॉल करने के लिए बड़ी स्क्रीन उपयोगी हो सकती है। स्क्रीन पर खरोंच से बचाव के लिए मजबूत सुरक्षा परत भी दी गई है। फोन को धूल और पानी से बचाव के लिए IP67 रेटिंग मिली है। इसका मतलब है कि यह सामान्य परिस्थितियों में धूल और पानी के संपर्क से कुछ हद तक सुरक्षित रहता है। हालांकि, इसे पूरी तरह वाटरप्रूफ नहीं माना जाना चाहिए।

फोटो खींचने के लिए तीन कैमरे: फोन के पिछले हिस्से में तीन कैमरे दिए गए हैं। इसका मुख्य कैमरा 50 मेगापिक्सल का है। सामने की तरफ 12 मेगापिक्सल का कैमरा मिलता है, जिससे सेल्फी लेने और वीडियो कॉल करने में मदद मिलती है। इसमें 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है। कंपनी के अनुसार, यह 45 वॉट की तेज चार्जिंग को सपोर्ट करती है। यानी जरूरत पड़ने पर फोन को कम समय में चार्ज किया जा सकता है। फोन में सैमसंग का एक्सिनॉस 1580 प्रोसेसर दिया गया है। इसमें 12 जीबी तक रैम और 256 जीबी तक स्टोरेज का विकल्प मिलता है। ज्यादा रैम होने से एक साथ कई ऐप इस्तेमाल करने में मदद मिल सकती है। वहीं, अधिक स्टोरेज में फोटो, वीडियो और दूसरी फाइलें रखी जा सकती हैं। खरीदने से पहले ध्यान दें कि यह फोन उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, जिन्हें बड़ी स्क्रीन, बेहतर कैमरा और अच्छी बैटरी वाला स्मार्टफोन चाहिए।



हिमाचल-बेंगलुरु के फूलों से हुआ बाबा का विशेष श्रृंगार, उत्तराखंड की गायिका ने बांधा समां

सर्द रात में श्याम नाम के जयकारों से गूंजा दरबार, देर रात तक भजनों पर झूमे श्रद्धालु

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

वार्ड क्रमांक 13 स्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर में देवउठनी ग्यारस के अवसर पर बाबा का पाटोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक विद्युत सजावट और हिमाचल प्रदेश एवं बेंगलुरु से मंगाए गए विशेष फूलों से सजाया गया। नीले फूलों से सजे बाबा के मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बाबा को छप्पन भोग अर्पित किए गए।

शाम को आयोजित भजन संध्या में उत्तराखंड से आईं भजन गायिका दिशु श्यामा और भोपाल के भजन गायक राजवीर ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। बाबा श्याम की महिमा के साथ हनुमान जी की आराधना और गुरु महिमा के भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। सर्द हवाओं के बावजूद हजारों श्रद्धालु देर रात तक भजनों का आनंद लेते रहे और श्याम नाम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। पाटोत्सव के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। मंदिर के पुजारी पंडित वीरेंद्र दुबे ने बताया कि सुबह से रात तक भक्तों ने बाबा के दर्शन किए। विशेष पुष्प श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन संध्या और भंडारे के साथ पाटोत्सव श्रद्धा और उल्लास से संपन्न हुआ।



न्यूज विंडो

समारोह में तीन पुस्तकों का विमोचन, 41 कवियों और समीक्षकों का हुआ सम्मान



नर्मदापुरम। साहित्यिक समूह 'नर्मदांचल के मोती' इटारसी द्वारा रविवार को ईश्वर रेस्टोरेंट में पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरण शर्मा तथा नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे की अध्यक्षता में तीन पुस्तकों का विमोचन किया गया। इनमें 41 कवियों का साझा काव्य संग्रह 'रेवा के तट से', रूपेन्द्र गौर का गजल संग्रह 'हमें जो याद करते हैं' तथा एच.एन. सिंह का काव्य संग्रह 'प्रेम के मोती' शामिल हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं रेखा कापसे द्वारा सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पं. गिरि मोहन गुरु, रामकिशोर नाविक, बाबूलाल कदम, विनोद कुशवाहा सहित साहित्य जगत की हस्तियां मौजूद रहीं। तीनों पुस्तकों के समीक्षकों और 'रेवा के तट से' में शामिल सभी 41 कवियों को सम्मान पत्र एवं पुस्तकें भेंट की गईं। मुख्य अतिथि डॉ. शर्मा ने साहित्य को समाज के अनुभवों और विचारों की सशक्त अभिव्यक्ति बताते हुए रचनाकारों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन नितेश 'नैश' ने किया तथा आभार रूपेन्द्र गौर ने व्यक्त किया।

बैंड-बाजों की धुन पर निकली शालिग्राम जी की बारात, धूमधाम से हुआ तुलसी विवाह



गंजबासौदा। देवउठनी एकादशी के अवसर पर वार्ड क्रमांक 16 स्थित सुंदर मंदिर में तुलसी-शालिग्राम विवाह समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान शालिग्राम की भव्य बारात निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। बारात सुंदर मंदिर से प्रारंभ होकर पीपल चौक, गांधी चौक और सदर बाजार सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हुए नाचते-झूमते चल रहे थे। जगह-जगह भक्तों ने माता तुलसी और भगवान शालिग्राम की पूजा-अर्चना कर बारात का स्वागत किया। बारात के मंदिर पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह की रस्में संपन्न हुईं। महाराज सत्यम ने विधि-विधान से फेरे, सप्तवचन, पैर पूजन और गठबंधन की रस्में पूरी कराईं। आयोजन के मुख्य संयोजक राधा श्याम सेन रहे। विवाह समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ लिया। अंत में प्रसादी का वितरण किया गया।

पांच साल से जारी सफाई अभियान, फिर भी बेतवा के प्रति नहीं बदली लोगों की सोच



गंजबासौदा। बेतवा नदी को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित साप्ताहिक श्रमदान अभियान 6.0 का नौवां चरण रविवार को रिपटा घाट पर संपन्न हुआ। इस दौरान स्वयंसेवकों ने नदी घाट और आसपास फैले कचरे एवं अपशिष्ट को एकत्रित कर सफाई की। अभियान में शरद ओझा, दीपेश शर्मा, रुद्रांश सिंह, यश माथुर और आकाश जैन ने श्रमदान किया। स्वयंसेवकों ने नदी में लगातार बढ़ते कचरे और आम नागरिकों की उदासीनता पर चिंता जताई। उनका कहना है कि बेतवा की स्वच्छता केवल कुछ लोगों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। पांच वर्षों से अधिक समय से जारी प्रयासों के बावजूद नदी की स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आना चिंता का विषय है। स्वयंसेवकों ने लोगों से नदी को स्वच्छ रखने और अपनी सोच व व्यवहार में बदलाव लाने की अपील की।

भगवा ध्वज और भजन-कीर्तन के साथ निकली भव्य परिक्रमा यात्रा

प्राचीन पालकी में विराजे मदनमोहन सरकार, जयकारों से गूंजा सिरोंज

विधायक उमाकांत शर्मा ने भी थामा ध्वज,विशेष भोग और महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

प्रतिष्ठित मदनमोहन सरकार के दरबार में आयोजित कार्तिक महोत्सव में सुबह भक्ति और उल्लास का संगम देखने को मिला। आज सुबह मंगल आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इसके बाद 10 बजे सरकार के दरबार से परिक्रमा यात्रा का उल्लास दिखाई देने लगा। पूरा नगर भगवान दामोदर और राधा रानी के जयकारों से गूंज उठा। यात्रा शुरू होने से पहले दरबार में ध्वज की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद ठाकुर जी और राधा रानी के जयकारों के बीच यात्रा शुरू हुई। इस बार सरकार का प्राचीन डोला भी यात्रा की शोभा बढ़ा रहा था। इस डोले को पालकी का रूप देकर इसमें ठाकुर जी को विराजित किया गया था। श्रद्धालुओं का समूह इस पालकी का सारथी बना हुआ था।

सरकार का ध्वज बारी-बारी से भक्त थाम कर चल रहे थे। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने हाथों में भगवा ध्वज थाम रखे थे और कई श्रद्धालु संगीतमयी कीर्तन करते हुए चल रहे थे। ढोल-मंजीरे और भजनों की गूंज से पूरा परिक्रमा मार्ग भक्तिमय हो गया।





शिखर पर ध्वज स्थापित

चांदनी चौक में विधायक उमाकांत शर्मा भी परिक्रमा यात्रा का हिस्सा बन गए और उन्होंने भी ध्वज को थामने का सौभाग्य प्राप्त किया। जगह-जगह पर भक्तों ने पालकी में विराजित ठाकुर जी और ध्वज की पूजा-अर्चना की। यह यात्रा बोहरबाड़ी, पटवाटोला होते हुए सिनेमा चौराहा पहुंची और यहां से मुख्य बाजार तथा छिपेटी बाजार होते हुए वापस मदनमोहन सरकार दरबार पहुंचकर समाप्त हुई। जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर परिक्रमा यात्रा का स्वागत किया। परिक्रमा के बाद श्रद्धालुओं ने परिक्रमा मार्ग में थामे गए ध्वज को मंदिर के शिखर पर स्थापित किया। आरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस आयोजन में सहभागी होने के लिए बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु सरकार के दरबार पहुंचे थे। श्री देवाधिदेव मदनमोहन सरकार के सिद्ध चैतन्य दरबार में कार्तिक महोत्सव की मंगला भोग आरती में रविवार को आलू बड़े, संतरा, अनार, चीकू, पेड़े, फल, तांबूल, मगध, राबड़ी, बूंदी दही, मेवे आदि का भोग लगाया गया।

गणवेश में कदमताल करते निकले बाल स्वयंसेवक, घोष की धुन से गूंजे नगर के प्रमुख मार्ग



पथ संचलन में 8 से 10 वर्ष के बच्चों ने भी उत्साह से लिया भाग, जगह-जगह हुआ स्वागत

गंजबासौदा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भव्य पथ संचलन निकाला गया। मील रोड स्थित टीटी जैन पाठशाला ग्राउंड से शुरू हुए पथ संचलन में बड़ी संख्या में बाल स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासित तरीके से कदमताल करते नजर आए। उनके साथ स्वयंसेवक घोष की धुन बजाते हुए चल रहे थे।

पथ संचलन पाठशाला ग्राउंड से प्रारंभ होकर मील रोड, त्योंदा रोड, जय स्तंभ चौराहा, अंबेडकर चौक, नेहरू चौक और रेलवे स्टेशन से होते हुए मराठा वाली गली पहुंचा। यहां से वापस पाठशाला ग्राउंड पहुंचकर संचलन का समापन हुआ। पथ संचलन में 8 से 10 वर्ष तक के छोटे बच्चे भी पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ शामिल हुए। मार्ग में कई स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने बाल स्वयंसेवकों का स्वागत किया। पथ संचलन के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी साथ चला। मार्ग पर यातायात बाधित न हो, इसके लिए पुलिसकर्मियों ने वाहनों को सड़क किनारे व्यवस्थित कराया। पूरे संचलन के दौरान बाल स्वयंसेवकों का अनुशासन और उत्साह आकर्षण का केंद्र रहा।

चोरों ने देवलीला ज्वेलर्स के ताले तोड़कर सोने चांदी के आभूषणों पर किया हाथ साफ



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सिटी थाना क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। पराशरी नदी के पास स्थित देवलीला ज्वेलर्स को अज्ञात चोरों ने देर रात अपना निशाना बनाया। चोरों ने दुकान के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे सोने एवं चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। सुबह चोरी की घटना की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना व्यापारी द्वारा पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा दुकान में हुई चोरी के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों तक पहुंचने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि चोरों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान से जुड़े सुराग मिल सकें। शहर के व्यस्त क्षेत्र में ज्वेलर्स की दुकान को निशाना बनाकर की गई इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल चोरी गए आभूषणों की वास्तविक कीमत और कुल नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

किताबी ज्ञान से आगे बढ़े विद्यार्थी, विज्ञापनों के जरिए दिखाई गई कारोबारी सोच

सेंट एस.आर.एस. स्कूल में व्यावसायिक कार्यशाला का आयोजन, पेन से लेकर स्मार्ट वॉच तक के उत्पादों के आकर्षक विज्ञापन बनाकर दिखाई रचनात्मकता

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो



सेंट एस.आर.एस. पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 11वीं के वाणिज्य एवं कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और व्यावहारिक समझ का परिचय देते हुए विभिन्न उत्पादों के आकर्षक विज्ञापन प्रस्तुत किए। अर्थशास्त्र एवं व्यावसायिक अध्ययन के शिक्षक मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने पेन, सेंसर वाटर बॉटल, परफ्यूम और स्मार्ट वॉच जैसे उत्पादों के नए और उपयोगी फीचर प्रस्तुत किए।

विद्यार्थियों ने विज्ञापनों के माध्यम से उत्पादों की खूबियों को रोचक अंदाज में बताया। पेन की मजबूत बनावट और न छूटने वाली स्याही, सेंसर वाटर बॉटल में पानी पीने के लिए अलर्ट, 48 घंटे तक खुशबू देने वाला परफ्यूम तथा स्मार्ट वॉच में तापमान और रिमाइंडर जैसी सुविधाओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया। वैष्णवी राजपूत, पलक रघुवंशी, अंशिका शर्मा, आस्था शर्मा, तनु यादव, राधिका सेन सहित अन्य छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ बाजार की मांग, ग्राहकों की जरूरतों, उत्पादों की विशेषताओं और विज्ञापन के महत्व की जानकारी देना था। इस गतिविधि से विद्यार्थियों को अपनी प्रस्तुतीकरण क्षमता और व्यावसायिक सोच विकसित करने का अवसर मिला। इस अवसर पर प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, प्रभारी प्राचार्य रजनी गुप्ता, शिक्षक मयंक मिश्रा, गौरव जैन, प्रियांका अग्रवाल, मनोज श्रीवास्तव, गोविंद कुशवाह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर एसडीएम अनुभा जैन ने पांच केंद्रों पर पहुंचकर परखी व्यवस्था, दिए निर्देश

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विधानसभा क्षेत्र 145-बासौदा एवं ग्यारसपुर में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 का कार्य तेजी से जारी है। पुनरीक्षण कार्य की जमीनी स्थिति जानने के लिए रविवार को एसडीएम एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अनुभा जैन ने क्षेत्र के पांच मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एसडीएम ने मतदान केंद्र क्रमांक 15 एवं 16 बैतौली स्वरूपनगर, 104 एवं 105 ककरावदा तथा 106 बालराकलां पहुंचकर दावे-आपत्तियों, जेंडर रेशो और ईपी रेशो की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को निर्देशित किया कि मतदाता सूची में जेंडर रेशो एवं ईपी रेशो में सुधार के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही प्राप्त आवेदनों की ऑनलाइन फीडिंग निर्धारित समयसीमा में सुनिश्चित की जाए, ताकि पुनरीक्षण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो।



एसडीएम अनुभा जैन ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। इसके लिए 21 एवं 22 नवंबर को मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए गए थे। शिविरों में मतदाताओं को नाम जुड़वाने, नाम में संशोधन कराने और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं का अवसर दिया गया। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने पर जोर दिया। वहीं, अन्य विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों का निरीक्षण तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों द्वारा किया गया, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न हो सके।

महिलाओं ने भरी हुंकार, बाल विवाह के खिलाफ लिया संकल्प

सिरोंज। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एकीकृत बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बाल विवाह के दुष्परिणामों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की और 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कानूनन अपराध है। दोषियों को दो वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। अधिकारियों ने विवाह समारोहों के दौरान सतर्कता बरतने और बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 या महिला हेल्पलाइन 181 पर देने की अपील की। महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे बाल विवाह रोकने के साथ समाज में जागरूकता फैलाएंगी और किसी भी कीमत पर बचपन का सौदा नहीं होने देंगी।

एसडीओ और स्टाफ का अता-पता नहीं, भवन बदहाल - जिम्मेदार कौन

तेंदूखेड़ा के सिंचाई विभाग का कार्यालय बना खंडहर, वर्षों से पुताई-मरम्मत का इंतजार, कुर्सी पर सोता मिला कर्मचारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सरकारी कार्यालय ऐसा भी होता है, जहां काम के समय कुर्सी पर कर्मचारी सोता मिले और साहब का कोई पता ही न हो? तेंदूखेड़ा में सिंचाई विभाग के कार्यालय का हाल देखकर यही सवाल उठता है नगर में स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय और उससे जुड़े भवन वर्षों से बदहाली की कहानी बयां कर रहे हैं। दीवारों पर पपड़ी उखड़ रही है, पुताई कब हुई, यह किसी को याद नहीं। मरम्मत के नाम पर सालों से सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। देखरेख के अभाव में भवन दिन-ब-दिन जर्जर होते जा रहे हैं।



दोपहर में कार्यालय पहुंचे तो निगरानी का पता नहीं

हाल ही में जब टीम कार्यालय पहुंची, तो नजारा चौंकाने वाला था। पूरा कार्यालय सूना पड़ा था। सिर्फ एक व्यक्ति कुर्सी पर सोता हुआ मिला। एसडीओ राम अवतार पटेल कार्यालय में नहीं थे। अन्य कर्मचारी कहां हैं, किसकी क्या ड्यूटी है, इसका कोई जवाब देने वाला नहीं था। उपस्थिति रजिस्टर और कामकाज की निगरानी का भी कोई ठिकाना नहीं दिखा। ऐसे में आम आदमी का काम कैसे होगा? किसान अपनी सिंचाई, नहर और अन्य समस्याओं को लेकर कहां जाएं? यह सवाल विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।



एसडीओ बोले - दमोह में भी बैठते हैं, 15 लाख का एस्टीमेट भेजा

इस संबंध में एसडीओ राम अवतार पटेल से बात की गई तो उनका कहना था कि वह दमोह कार्यालय में भी बैठते हैं और जनसुनवाई सहित अन्य शासकीय कार्यों के लिए तेंदूखेड़ा आते रहते हैं मरम्मत को लेकर उन्होंने बताया कि पहले करीब 5 लाख रुपए का एस्टीमेट भेजा गया था। अब लगभग 15 लाख रुपए का नया एस्टीमेट दमोह कार्यालय में जमा किया गया है। स्वीकृति मिलते ही मरम्मत प्राथमिकता से कराई जाएगी। फिलहाल केवल बाउंड्रीवॉल की पुताई कराई गई है। विभाग के पास अलग से कोई फंड नहीं है।

सवाल बरकरार है...

सवाल यह है कि जब भवन इतने बदहाल हैं, तो एस्टीमेट पर स्वीकृति में इतनी देरी क्यों? और जब तक स्वीकृति नहीं मिलती, तब तक कार्यालय ऐसे ही सूना और कर्मचारी ऐसे ही सोते रहेंगे? जिम्मेदार अधिकारियों को इस पर ध्यान देना होगा, वरना सरकारी व्यवस्था पर से लोगों का भरोसा उठ जाएगा।

ब्याज वसूली और जातिगत अपमान के आरोप में मामला दर्ज, आरोपी को जेल भेजा

धार। शहर के नौगांव में अवैध ब्याज वसूली, जातिसूचक गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने राजेंद्र सोलंकी के खिलाफ बीएनएस, एससी-एसटी एक्ट और मध्यप्रदेश ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पीड़ित जगदीश मेड़ा ने 19 नवंबर को शिकायत में आरोप लगाया था कि कर्ज से अधिक राशि चुकाने के बावजूद उससे लगातार पैसों की मांग की जा रही थी। उसने भुगतान की रसीदें और ऑडियो-वीडियो साक्ष्य होने की जानकारी भी दी थी। कार्रवाई नहीं होने से नाराज सामाजिक कार्यकर्ताओं ने थाने पर धरना दिया था। इसी बीच युवक ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद उसे इंदौर में भर्ती कराया गया।

न्यूज विंडो

पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी सबकी, विद्यार्थियों में विकसित करें प्रकृति बचाने की आदतें



नरसिंहपुर। पर्यावरण संकट आज वैश्विक चुनौती बन चुका है। इससे निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यह बात जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र नागेश ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सभागार में आयोजित इको क्लब प्रभारी शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कही। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करने का आह्वान किया। साथ ही नर्मदा के प्रवाह तंत्र और जैव विविधता पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान भोपाल से आए पर्यावरण शिक्षा अधिकारी दिलीप चक्रवर्ती ने मिशन लाइफ के क्रियान्वयन और विद्यार्थियों में पर्यावरण अनुकूल आदतें विकसित करने की जानकारी दी। उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव ने पर्यावरण शिक्षा में शिक्षकों की भूमिका बताई। मास्टर ट्रेनर आनंद नेमा ने इको क्लब की गतिविधियों और अक्षय शर्मा ने ऑनलाइन रिपोर्टिंग का प्रशिक्षण दिया। लगभग छह घंटे चले इस कार्यक्रम में 52 विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार आनंद नेमा ने व्यक्त किया।

13 किलो 990 ग्राम गांजे के साथ महिला सहित दो तस्करों को पुलिस ने पकड़ा



तेंदूखेड़ा। जिले में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने चलाए जा रहे अभियान के तहत तेंदूखेड़ा पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 27 मील चौराहे के पहले वैष्णव ढाबे के पास घेराबंदी कर 13 किलो 990 ग्राम अवैध गांजे के साथ महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त गांजे की कीमत करीब 2 लाख 80 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 21 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति गांजा लेकर ढाबे के पास खरीदार का इंतजार कर रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज ठाकुर के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज शुक्ला और मनीषा लोधी, निवासी केवलारी, तेजगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस गांजे की सप्लाई के स्रोत और ठिकाने का पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही है।

जनप्रतिनिधियों की शिकायत के बाद रेलवे और मंत्रालय तक पहुंचा मामला

120 करोड़ के आरओबी में 6 माह में 4 बार पैचवर्क विफल, अब डबल कोट से गड्ढे रोकने की कवायद शुरू

धार। दोपहर मेट्रो

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत गुणावद और सुनारखेड़ी के नजदीक फोरलेन से रेलवे ट्रैक गुजर रहा है। ट्रैक निर्माण के चलते रेलवे पर सुनारखेड़ के समीप करीब 120 करोड़ रुपए खर्च करके रेलवे ओवर ब्रिज बनाया गया था। छह महीने पहले बनकर तैयार हुए इस ब्रिज की सड़क उखड़ने और बार-बार गड्ढें बनने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते छह महीनों में इस पुल पर चार बार पैचवर्क किया जा चुका है, लेकिन हर बार यह कुछ ही दिनों में उखड़ गया। लगातार हो रही परेशानियों और निर्माण की गुणवत्ता पर उठते सवालों के बीच अब पुल पर डबल कोट का काम शुरू किया गया है, जिसके जरिए आगे गड्ढें ना होने का दावा किया जा रहा है। बीते दो दिनों से सडक़ की डामर लेन पर ट्रॉफिक को नियंत्रित करके हुए डबल कोटिंग चल रही है।

रेल परियोजना जल्द शुरू करने के दबाव के बीच आरओबी की एक लेन का काम पूर्ण होते ही यातायात शुरू कर दिया गया था। कुछ समय बाद ही एक लेन की सतह खराब होने लगी थी। उस दौरान खामी को लेकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। इसी अनुभव और संभावित खतरे को देखते हुए पुल की दूसरी लेन का निर्माण सीमेंट-कांक्रीट (सीसी) से कराया गया, ताकि भारी वाहनों के दबाव और मौसम की मार से सडक़ जल्द खराब न हो। जहां एक ओर सीसी लेन को अपेक्षाकृत मजबूत विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है, वहीं पहली लेन की डामर और परत बार-बार उखडऩे से लोगों में नाराजगी बनी रही।



बार-बार सडक़ खराब होने पर सांसद-विधायक ने लिया था संज्ञान

छह महीने के भीतर चार बार पैचवर्क किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान न निकल पाने से संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर भी निगाहें टिक गईं। हर बार मरम्मत के बाद उम्मीद जताई जाती थी कि सडक़ सुचारू रहेगी, लेकिन कुछ ही हफ्तों में गड्ढें फिर से उभर आते थे। इससे यह साफ होता गया कि अस्थायी मरम्मत मौजूदा स्थिति के लिए नाकाफी साबित हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र के विधायक नीना विक्रम वर्मा और सांसद सावित्री ठाकुर ने इस विषय को रेलवे तथा संबंधित मंत्रालय के समक्ष उठाया। जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई शिकायत के बाद प्रशासन और निर्माण से जुड़ी एजेंसियों पर गुणवत्तापूर्ण व टिकाऊ समाधान सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ा।

रेलवे ओवरब्रिज पर डामरीकरण की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की गई थी। रेल परियोजना का ट्रायल होना था, जिसके चलते ब्रिज की एक लेन से यातायात शुरू किया गया था। उस पर डामर का डबल कोट नहीं होने के कारण इस तरह की स्थिति बनी। अधिकारियों को डबल कोट करवाने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही मार्ग की स्थिति बेहतर हो जाएगी।

-सावित्री ठाकुर, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद, धार

अमरकंटक में तीर्थस्थलों के प्रबंधन पर होगा मंथन, पुजारी प्रशिक्षण की बनेगी रूपरेखा

29 नवंबर को कल्याण आश्रम में प्रदेशस्तरीय संगोष्ठी, अनूपपुर के पंडित आलोक नारायण द्विवेदी को भेजा आमंत्रण



अनूपपुर। धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक में 29 नवंबर को देवस्थानों एवं तीर्थस्थलों के प्रबंधन तथा पुजारी प्रशिक्षण को लेकर एक दिवसीय विशेष संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश शासन के धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश तीर्थ-स्थान एवं मेला प्राधिकरण, भोपाल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के पुजारी और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे।

इस संगोष्ठी में सहभागिता के लिए अनूपपुर नगर की पुरानी बस्ती, वार्ड क्रमांक 13 निवासी पंडित गोविंद नारायण द्विवेदी के पुत्र पंडित आलोक नारायण द्विवेदी को प्राधिकरण की ओर से औपचारिक आमंत्रण भेजा गया है। धार्मिक क्षेत्र में पुजारी के रूप में सक्रिय आलोक द्विवेदी की सहभागिता जिले के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। संगोष्ठी में मंदिरों एवं तीर्थस्थलों के सुव्यवस्थित संचालन, पूजा-अर्चना की व्यवस्थाओं, धार्मिक परंपराओं के संरक्षण और पुजारियों को प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण देने जैसे विषयों पर चर्चा होगी। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम अमरकंटक स्थित कल्याण आश्रम में सुबह 10 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ होगा।

धार : आपसी विवाद में बेटे ने लट्ठ से पीटकर पिता को उतारा मौत के घाट

सिर और पैर पर किए ताबड़तोड़ वार, घर के सामने ही तोड़ा दम, आरोपी बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज



धार। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम जामला में आपसी विवाद ने खूनी रूप ले लिया। यहां एक बेटे ने लट्ठ से हमला कर अपने ही पिता की हत्या कर दी। घटना में पिता के सिर के पिछले हिस्से और दाहिने पैर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार ग्राम जामला निवासी कुँवरसिंह मोरी (45) का किसी बात को लेकर बेटे अनिल से विवाद हो गया था। विवाद के दौरान अनिल ने जान से मारने की नीयत से पिता पर लट्ठ से कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मामले में तेरसिंह पिता रामसिंह मोरी (55) की रिपोर्ट पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। आरोपी अनिल के खिलाफ हत्या का प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एटीएम तोड़ने घुसा चोर सायरन बजते ही भागा, बंद मकान में भी लाखों की चोरी

ग्वालियर। शहर में चोरी की दो घटनाएं सामने आई हैं। मुरार क्षेत्र के गरम सड़क स्थित एसबीआई एटीएम में रात के समय एक नकाबपोश चोर घुस गया। उसने मशीन तोड़ने और सीसीटीवी कैमरे पर टेप लगाने की कोशिश की, लेकिन अलार्म सिस्टम सक्रिय होते ही सायरन बज उठा और वह भाग निकला। सुबह लोगों ने मशीन से छेड़छाड़ देखकर बैंक प्रबंधन को सूचना दी। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है और पुलिस फुटेज के आधार पर पहचान में जुटी है। वहीं विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र की हिल व्यू रेजिडेंसी में बदमाशों ने बंद मकान को निशाना बनाया। 21-22 नवंबर की रात डी-3 ब्लॉक निवासी यशपाल आचार्य के मकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे बदमाशों ने फर्नीचर और सामान में तोड़फोड़ की तथा करीब एक लाख रुपए का माल चोरी कर लिया। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

छतरपुर : दूसरे बेटे के सामने हुआ हादसा

खेत की जुताई करते समय कुएं में समाया ट्रैक्टर, पिता-पुत्र की मौत

छतरपुर। दोपहर मेट्रो



खेत में जुताई कर रहे किसान और उनके 10 वर्षीय बेटे की ट्रैक्टर सहित कुएं में गिरने से मौत हो गई। हादसा शाम करीब 4 बजे ओरछा रोड थाना क्षेत्र के ग्राम हतना में हुआ। पिता और भाई को आंखों के सामने कुएं में गिरता देख 12 वर्षीय बेटी की चीख निकल गई। घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, किसान संतोष यादव (35) अपने बेटे दुर्गेश (10) के साथ जंगल हार स्थित खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर करीब 70 फीट गहरे कुएं में जा गिरा। घटना के दौरान कुएं में लगभग 20 फीट पानी भरा था। हादसे के समय संतोष की बेटी राशि (12) भी खेत में मौजूद थी। उसने स्वजन को सूचना दी। संतोष के बड़े भाई देशराज मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर करीब 4:30 बजे पुलिस पहुंची। इसके बाद क्रेन मशीन और गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। कुएं की गहराई और पानी के कारण बचाव कार्य में परेशानी आई। देर शाम तक दोनों को बाहर निकालने के प्रयास जारी थे। संतोष के परिवार में 14 वर्षीय आयुषी और 12 वर्षीय राशि दो बेटियां हैं। दुर्गेश दोनों बहनों का इकलौता भाई था और कक्षा तीसरी में पढ़ता था। पिता और भाई को एक साथ खोने से दोनों बेटियों और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में शोक का माहौल है।

अवैध शराब के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा भारी कार्यकर्ता से मारपीट

धार। अवैध शराब परिवहन के खिलाफ आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता विजय सिंह चौपड़ा के साथ शहर के एसपीडीए मैदान में मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि राजेश चौहान और करण डावर ने उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। बताया गया कि विजय चौपड़ा ने कुछ दिन पहले ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने के साथ जागरूकता अभियान चलाया था। इसी से नाराज होकर आरोपियों ने घटना को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलने पर आदिवासी समाज के पदाधिकारी कोतवाली थाने पहुंचे और नाराजगी जताई। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर

मध्य प्रदेश से एकमात्र चयनित शिल्पकार, बाग प्रिंट को राष्ट्रीय मंच पर दिलाई नई पहचान

20 साल की उम्र में रचा इतिहास, अबरार को मिला राष्ट्रीय कमलादेवी पुरस्कार

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग निवासी युवा शिल्पकार एवं बाग प्रिंट कारीगर अबरार खत्री को दिल्ली क्राफ्ट काउंसिल द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कमलादेवी पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित सम्मान समारोह में प्रसिद्ध आर्किटेक्ट एवं अर्बन डिजाइनर के.टी. रवींद्रन ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया।

इस वर्ष देशभर से कुल पांच शिल्पकारों को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिनमें मध्य प्रदेश से अबरार खत्री एकमात्र चयनित शिल्पकार रहे। विशेष उपलब्धि यह है कि मात्र 20 वर्ष की



उम्र में यह सम्मान प्राप्त करने वाले अबरार बाग प्रिंट हस्तशिल्प परंपरा से यह राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने वाले पहले कारीगर बने हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे बाग क्षेत्र और मध्य प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।अबरार खत्री अपने परिवार की पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक बाग हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग कला को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने इस कला का प्रशिक्षण अपने पिता मोहम्मद यूनुस खत्री से प्राप्त किया है। पिता के मार्गदर्शन में उन्होंने बचपन से ही लकड़ी के ब्लॉक, प्राकृतिक रंगों और कपड़ों पर छपाई की बारीकियों को आत्मसात किया। आज उनकी कृतियों में परंपरा की गहराई और युवा सोच की ताजगी एक साथ नजर आती है।

बाग प्रिंट मध्य प्रदेश के धार जिले के बाग क्षेत्र की विश्वप्रसिद्ध पारंपरिक हस्तकला है, जिसमें लकड़ी के हाथ से बने ब्लॉकों और प्राकृतिक रंगों के माध्यम से कपड़ों पर आकर्षक छपाई की जाती है। इस कला की पहचान इसके ज्यामितीय पैटर्न, वनस्पतियों के मोटिफ और प्राकृतिक रंगों की गहराई से होती है। सदियों से यह कला खत्री समुदाय के हाथों से जीवित है और आज देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी है।कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि न केवल अबरार खत्री के लिए गौरव की बात है, बल्कि मध्य प्रदेश की पारंपरिक हस्तकला और बाग प्रिंट से जुड़े कारीगरों के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा है। इससे युवा पीढ़ी में पारंपरिक शिल्प के प्रति रुचि बढ़ेगी और नए कारीगर इस विरासत को आगे ले जाने के लिए प्रेरित होंगे।इस सम्मान से बाग प्रिंट की समृद्ध विरासत को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिली है। स्थानीय कारीगरों का मानना है कि अबरार की सफलता से बाग प्रिंट को बाजार, पहचान और सम्मान तीनों स्तर पर मजबूती मिलेगी।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना पिपलानी भोपाल म.प्र.

क्रमांक-था.प्र./पिप/भो/डी/ मर्ग क्रमांक 77/26 दिनांक 12/11/2026

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि दिनाँक 13/09/26 को सूचक जेपी अस्पताल से डांक्टर विक्रम सिंह ने जरीये फोन सूचना दिया कि पेशेंट अज्ञात व्यक्ति उम्र वयस्क को ईलाज हेतु दिनांक 13/09/26 के 12.25 बजे 108 एम्बुलेंस का अजय सिंह मो.न. 9425027938,7400519327 लेकर आया जिसने बताया कि पेशेंट दिनांक 13/09/26 के रात्री करीबन 12.00 बजे बेहोशी की हालात में लेंस कार्ड इन्द्रपुरी के पास था जिसे ईलाज हेतु जेपी अस्पताल लेकर आया था जहां डाक्टर द्वारा दिनांक 13/09/26 के रात्री करीबन 12.40 बजे चेक करने पर पेशेंट की मृत्यु होना बताया जिसका पीएमएलसी न.-105535/26 है। कि सूचना पर मर्ग क्रमांक 77/26 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर जांच में लिया गया। दौराने मर्ग विवेचना अज्ञात मृतक उम्र- लगभग 55 साल रंग सावला चैहरा गोल, दौहरा बदन, सर के बाल पके हुए चैहरे पर पकी हुई सफेद दाँडी दायने पैर से लंगडा था जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यही इस अज्ञात मृतक के के संबंध मे कोई जानकारी हो तो थाना प्रभारी पिपलानी भोपाल के संपर्क नम्बर 947990416 ,7049104100 एवं जाँच अधिकारी प्र.आर.2751 सूर्यकान्त दुबे मो. नम्बर 9826383544 पर तत्काल संपर्क करे ।



थाना प्रभारी
थाना पिपलानी भोपाल

G-21924/26

हर किसी की अपनी कहानी होती है, मुझे इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता: जोश हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि मैदान के बाहर उनकी पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा के साथ कभी कोई करीबी नहीं रही, जबकि डेविड वॉर्नर के साथ उनकी बॉन्डिंग काफी मजबूत थी। हेजलवुड की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उस्मान



ख्वाजा की आत्मकथा सब्र के कारण ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में 2018 के बॉल-टैम्परिंग विवाद को लेकर काफी हलचल मची हुई है। द हेराल्ड सन के अनुसार, हेजलवुड ने कहा, मुझे लगता है कि डेविड वॉर्नर के साथ मेरी हमेशा काफी अच्छी बनी। हमारी कई रुचियां एक जैसी थीं। मैंने उनके साथ काफी क्रिकेट खेला है, शायद उस्मान की तुलना में कहीं ज्यादा। पिछले चार-पांच वर्षों में जब मैं चोटिल था, तब उस्मान ने काफी क्रिकेट खेला।

ध्रुव जुरेल का सुपरमैन अवतार! एक हाथ से लपका हैरतअंगेज कैच, देखते रह गए खिलाड़ी



वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मुकाबले के चौथे दिन भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने अपने शानदार प्रदर्शन से खूब सुर्खियां बटोरीं। पहले उन्होंने बल्ले से न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की चुनौती का डटकर सामना किया और 78 रन की बेहतरीन पारी खेली। इसके बाद फील्डिंग में ऐसा हैरतअंगेज कारनामा किया कि मैदान पर मौजूद खिलाड़ी भी देखते रह गए।

न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के 23वें ओवर की पहली गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने बैक ऑफ लेंथ गेंद डाली। स्ट्राइक पर मौजूद हेनरी निकोल्स ने इसे लेग साइड में खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर थाई पैड से टकराई और हवा में उछल गई। शॉर्ट लेग पर तैनात जुरेल ने बिना कोई मौका गंवाए एक हाथ से शानदार कैच लपक लिया। निकोल्स 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

बल्ले और दस्तानों से छाए जुरेल

इससे पहले जुरेल ने भारत की पहली पारी में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 79 गेंदों पर 78 रन बनाए थे। उनके बल्ले और फील्डिंग के इस दोहरे कमाल ने भारतीय खेमे में जोश भर दिया। उनका शानदार कैच अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026, पाकिस्तान ए ने भारत को 48 रन से दी शिकस्त

तिलक वर्मा ने मध्यक्रम पर फोड़ा हार का ठीकरा, बोले दूसरे छोर से नहीं मिला साथ

दोहा।, एजेंसी

एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में एक बार फिर रोमांच देखने को मिला, लेकिन इस बार बाजी पाकिस्तान ए के हाथ लगी। भारत ए को 48 रन से हार का सामना करना पड़ा। कप्तान तिलक वर्मा ने 149 गेंदों में शानदार शतक लगाकर जीत की उम्मीदें आखिरी समय तक जिंदा रखीं, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। शाहबाज अहमद के साथ उनकी 112 रन की साझेदारी ने मुकाबले में भारत की वापसी कराई, मगर शाहबाज का विकेट गिरते ही पूरी बाजी पलट गई। मैच के बाद तिलक ने हार की वजह बताते हुए कहा कि अगर शाहबाज दो ओवर और टिक जाते तो वह भारत को जीत दिला सकते थे। दूसरी ओर पाकिस्तान ए के कप्तान अब्दुल समद ने 300 से अधिक रन बनाने की रणनीति का खुलासा किया।

शाहबाज का विकेट गिरते ही टूट गई जीत की उम्मीद- तिलक वर्मा ने मुकाबले के बाद अपनी बल्लेबाजी और शाहबाज अहमद के साथ हुई साझेदारी को भारत की जीत के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि अभिषेक शर्मा ने शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी की और इसके बाद शाहबाज ने उनका बेहतरीन साथ दिया। दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी हुई, जिससे भारत मुकाबले में वापस आ गया था। हालांकि, जिस समय तेजी से रन बनाने की जरूरत थी, उसी समय शाहबाज आउट हो गए। तिलक ने कहा, जिस तरह अभिषेक ने शुरुआत की और बीच में शाहबाज ने मेरे साथ साझेदारी की, वह काफी अहम थी। दुर्भाग्य से जब हमें तेजी से रन बनाने थे, तभी शाहबाज आउट हो गए। अगर वह दो ओवर और बल्लेबाजी कर लेते तो शायद मैं मैच खत्म कर सकता था। तिलक के इस बयान से साफ था कि उन्हें शाहबाज के विकेट को मुकाबले का सबसे निर्णायक मोड़ मानते हैं।



सूखी पिच देखकर पाकिस्तान ने बनाया था 300 पार का लक्ष्य

पाकिस्तान ए के कप्तान अब्दुल समद ने जीत का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रदर्शन को दिया। उन्होंने सलामी बल्लेबाज माज सदाकत और शमिल हुसैन की तारीफ करते हुए कहा कि दोनों ने पहली गेंद से ही भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। इसके बाद हसन नवाज ने 79 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। समद ने बताया कि टॉस जीतने के बाद ही उन्होंने और इजाज भाई ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला कर लिया था।

लगातार विकेट गंवाना पड़ा भारी, 47वें ओवर में जीत सकते थे

भारतीय कप्तान ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि दूसरी पारी के शुरुआती 10 ओवर में गेंद स्विंग हो रही थी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने इसका अच्छा फायदा उठाया और सटीक लाइन-लेंथ से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। तिलक के मुताबिक, इसी दौरान भारत ने लगातार विकेट गंवा दिए, जिसका खामियाजा पूरी टीम को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के दोनों तेज गेंदबाजों ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। शुरुआती 10 ओवर में गेंद स्विंग हो रही थी। हमने इसी दौरान लगातार विकेट गंवाए। अगर ऐसा नहीं होता तो हम 47वें या 48वें ओवर में ही मैच जीत सकते थे।% भारतीय कप्तान का मानना था कि शुरुआती झटकों के बावजूद टीम ने वापसी की थी, लेकिन अहम समय पर विकेट गंवाने से जीत दूर हो गई। तिलक वर्मा ने 149 गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाए। उन्होंने पूरे संयम के साथ बल्लेबाजी की और आखिरी तक मुकाबले को भारत के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है तो उन्होंने व्यक्तिगत उपलब्धि के बजाय टीम की जीत को प्राथमिकता दी। तिलक ने कहा, मैं इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी नहीं कहूंगा। मेरे लिए सर्वश्रेष्ठ पारी वही होती है, जिसमें टीम जीतती है। अगर मैं मैच नहीं जिता पाता तो मेरे लिए यह सर्वश्रेष्ठ नहीं है। कप्तान होने के नाते जिम्मेदारी लेना जरूरी है और मुझे ऐसा करना पसंद है।

अभिषेक के 70 और तिलक के 100 रन भी बेकार

मुकाबले में पाकिस्तान ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 313 रन बनाए। माज सदाकत ने 59, शमिल हुसैन ने 33 और हसन नवाज ने 79 रन का योगदान दिया। जवाब में 314 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत ए की शुरुआत बेहद खराब रही। वैभव सूर्यवंशी और आयुष बदोनी जल्दी पवेलियन लौट गए। अभिषेक शर्मा ने 42 गेंदों में छह चौके और छह छक्कों की मदद से 70 रन बनाकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन उनके आउट होने के बाद विकेटों का पतन जारी रहा और भारत का स्कोर 129 रन पर छह विकेट हो गया।

ओलंपिक मेजबानी प्रक्रिया में उषा 26 को आईओसी के सामने प्रस्तुति

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। आईओए चुनाव में उनकी अध्यक्ष पद पर दावेदारी को लेकर पनपे विवाद के बाद यह सवाल खड़े हुए थे कि उषा इस प्रक्रिया का हिस्सा होंगी या नहीं, लेकिन खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधू, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।



उषा के नहीं होने पर पड़ता नकारात्मक प्रभाव

इस ओलंपिक के लिए सात देशों की दावेदारी के बीच यह दावा जताने की प्रारंभिक प्रक्रिया है। आने वाले वर्षों में कुछ दौर की प्रक्रियाओं के बाद 2029 के मध्य में आईओसी 2036 के ओलंपिक मेजबान की घोषणा करेगा। सूत्र बताते हैं कि उषा की ओर से भी भारत की मेजबानी पर पक्ष रखा जाएगा। आईओए एसओएम के चुनाव में हार के बाद माना जा रहा था कि खेल मंत्रालय और पीटी उषा के बीच दूरियां बन गई हैं। आईओए की ओर से उसकी स्वायत्तता में हस्तक्षेप की बात कर आईओसी को शिकायत भी की गई थी। जिस पर आईओसी ने आईओए से जवाब मांगा था, लेकिन देश सर्वोपरि की भावना के साथ उषा को इस प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अगर उषा इस प्रस्तुतिकरण में नहीं होतीं तो इसका आईओसी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता।

टखने के संक्रमण ने बिगाड़ा ओली पीक का भारत दौरा, फिर होगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज ओली पीक के लिए आने वाला समय मुश्किलों भरा हो सकता है। उनके टखने में संक्रमण हो गया है, जिसके चलते उन्हें शायद एक से अधिक बार सर्जरी करानी पड़ सकती है।



20 वर्षीय पीक ने वनडे और घरेलू क्रिकेट में अपने छोटे से करियर में काफी प्रभावित किया है। उन्हें अगले साल की शुरुआत में होने वाले भारत दौरे के लिए एक संभावित खिलाड़ी माना जा रहा था, क्योंकि चयनकर्ताओं का मानना थ्है कि उनका खेल दक्षिण एशियाई परिस्थितियों के अनुकूल है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, विक्टोरिया के इस बल्लेबाज को अपने बाएं टखने में काफी परेशानी हो रही है। यह समस्या उनकी पिछली सर्जरी से जुड़ी है। अब संक्रमण को पूरी तरह खत्म करने के लिए उन्हें एक और सर्जरी करानी होगी, जिसमें टखने में लगा मेटल निकाला जाएगा।

मंगलवार को उनकी सर्जरी होगी, जिसके कारण वह दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाले शेफील्ड शील्ड मैच में निश्चित रूप से नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए उनके खेलने पर भी अभी अनिश्चितता बनी हुई है। अगर चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं, तो मैदान पर उनकी वापसी फरवरी या मार्च तक टल सकती है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

सपना चौधरी का छलका दर्द, बोलीं- पति ने दिया धोखा, अब दोबारा शादी का इरादा नहीं

हरियाणवी डांसिंग क्वीन सपना चौधरी की शादीशुदा जिंदगी में दरार आ गई है। शादी के छह साल बाद सपना अपने पति वीर साहू से अलग होने जा रही हैं। उन्होंने तलाक के लिए अदालत में मामला दायर किया है। अब तक निजी जिंदगी को लेकर चुप्पी साधे रखने वाली सपना ने पहली बार अपने टूटते रिश्ते पर खुलकर बात की है। एक बातचीत के दौरान उन्होंने पति से अलग होने की वजहों पर इशारों में कई बड़े खुलासे किए। उनकी बातों से साफ झलकता है कि इस रिश्ते में उन्हें काफी भावनात्मक तकलीफों से गुजरना पड़ा है।

अच्छा था तो साथ थे, अब अच्छा नहीं तो साथ भी नहीं- एनएमएफ न्यूज को दिए साक्षात्कार में सपना से पूछा गया कि आखिर उन्हें पति से तलाक लेने की नौबत क्यों आई? इस पर उन्होंने कहा, जब सब अच्छा था, तब साथ थे। अब अच्छा नहीं है तो साथ भी नहीं हैं। उनकी इस बात को पति की ओर से मिले धोखे से जोड़कर देखा जा रहा है। शादी में धोखा देने वाले पुरुषों पर सवाल पूछे जाने



पर सपना ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जिसका एक जगह से पेट नहीं भरता, उसका जगह-जगह जाकर भी पेट नहीं भरता।

रिश्तों में उलझकर खुद को भूल गई थीं सपना- सपना ने प्यार और रिश्तों को लेकर भी अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि प्यार सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि आत्मा से होता है। इसमें भावनाओं की अहम भूमिका होती है, जबकि लड़के ज्यादा व्यावहारिक होते हैं और लड़कियां भावनाओं में बह जाती हैं। अपनी शादी के दिनों को याद करते हुए सपना ने बताया कि बिग बॉस से बाहर आने के बाद उनकी शादी हो गई थी। उस समय वह काफी लोकप्रिय थीं। उन्होंने कहा कि वह एक अच्छी बहू, पत्नी और मां रही हैं, लेकिन इन रिश्तों को निभाते-निभाते अपनी पहचान और खुद की तरक्की पर ध्यान नहीं दे पाईं।

जबरदस्ती रिश्ता निभाने की कोशिश, अब खुद पर ध्यान

सपना ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने और जबरदस्ती चलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह रिश्ता आगे नहीं चल सकता था। अब वह अपनी जिंदगी और अपने करियर पर ध्यान देना चाहती हैं। दूसरी शादी के सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि फिलहाल उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है। सपना के मुताबिक, वह बहुत भावुक हैं और गहराई से प्यार करती हैं। रिश्तों से उन्होंने काफी कुछ सीखा है। भविष्य में अगर कोई उनके प्यार के लायक मिला तो वह जरूर विचार करेंगी, लेकिन अभी दूसरी शादी के बारे में नहीं सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें दोबारा प्यार होगा, वह बहुत गहरा होगा।

आकांक्षा पुरी ने बताया इंडस्ट्री में टिके रहने का मंत्र, बोलीं-

वक्त के साथ नहीं बदले तो कोई और ले लेगा जगह

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी मनोरंजन जगत में पिछले 14 साल से सक्रिय हैं। उन्होंने तमिल फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की और हिंदी सिनेमा, टेलीविजन और अब ओटीटी तक का सफर तय किया है। इस दौरान उन्होंने खुद को वक्त के साथ ढाला और नए मौकों के अनुसार अपने काम करने का तरीका भी बेहतर किया।

अभिनेत्री का कहना है कि इंडस्ट्री में लंबे समय तक अपनी जगह बनाए रखने के लिए लगातार मेहनत करने के साथ बदलाव को अपनाना भी जरूरी है। अगर कोई कलाकार समय के साथ खुद को अपडेट नहीं करता, तो उसकी जगह कोई दूसरा ले सकता है।

टीसीईएल 2027 के मौके पर आकांक्षा ने बताया कि उनके लिए कंसिस्टेंसी सबसे ज्यादा मायने रखती है। एक कलाकार को लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए, क्योंकि समय के साथ अभिनय से लेकर मेकअप और हेयरस्टाइल तक बहुत कुछ बदल जाता है। आकांक्षा ने कहा,मुझे लगता है कि कंसिस्टेंसी ही सबसे जरूरी है। आपको लगातार खुद पर काम करते रहना चाहिए। मैं पिछले 14 साल से इंडस्ट्री में हूं, लेकिन 13-14 साल पहले जिस तरह का मेकअप और हेयरस्टाइल होता था या जिस तरह की



एक्टिंग होती थी, वह आज काम नहीं करती। आज सोशल मीडिया है। आपको हर चीज के लिए तैयार रहना होगा और हर बदलाव को खुले दिल से अपनाना होगा, वरना आप पीछे रह जाएंगे। हमने भी यही किया। खुद को अपडेट किया, अपने ऊपर काम जारी रखा और हर बदलाव को स्वीकार किया। अभिनेत्री ने बातचीत में अपने करियर के अलग-अलग पड़ावों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनका सफर किसी एक इंडस्ट्री या प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं रहा।



मेट्रो बाजार

ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन के बीच भारत ने खनिज कार्यक्रम पर बढ़ाया फोकस

नई दिल्ली। भारत का महत्वपूर्ण खनिज कार्यक्रम अब केवल संसाधनों की पहचान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह व्यापक औद्योगिक विकास पहल का रूप ले रहा है। सरकार की ओर से हाल ही में प्रसंस्करण के लिए प्रोत्साहन और नीलामी के कई दौर इस प्रयास के बढ़ते दायरे को दर्शाते हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

'द टाइम्स ऑफ ओमान' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, आधुनिक रक्षा उपकरणों और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़ी योजनाएं केवल प्रौद्योगिकी और पूंजी तक पहुंच पर ही नहीं, बल्कि इनके निर्माण के लिए आवश्यक खनिजों की विश्वसनीय आपूर्ति पर भी निर्भर करती हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भारत ने महत्वपूर्ण खनिजों के लिए एक व्यापक रणनीति विकसित करना शुरू कर दिया है।

भारत ने जनवरी 2025 से अब तक महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़े कम से कम 15 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके साथ ही देश वैश्विक ऊर्जा बदलाव के लिए आवश्यक संसाधनों को सुरक्षित करने की होड़ में दुनिया के सबसे सक्रिय प्रतिभागियों में शामिल हो गया है। जनवरी 2025 में मंजूर किए गए भारत के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का उद्देश्य अन्वेषण और खनन से लेकर प्रसंस्करण, पुनर्चक्रण और खनिजों की पुनर्प्राप्ति तक महत्वपूर्ण खनिजों की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करना है।

2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए सीआईआई ने सुझाए वित्तीय सुधार

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आगामी केंद्रीय बजट 2027-28 से पहले बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाजार, बीमा और फिनटेक से जुड़े 15 प्रमुख सुधारों की सिफारिश की है। उद्योग संगठन का कहना है कि भारत को 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र की क्षमता और गहराई में व्यापक विस्तार करना होगा। सीआईआई के अनुसार, 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए लगभग 106 ट्रिलियन डॉलर के वित्तीय परिसंपत्ति आधार की आवश्यकता होगी, जबकि वर्तमान में यह आकार लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर है। संगठन का कहना है कि भारत के बैंकिंग तंत्र, पूंजी बाजार और बीमा क्षेत्र को आने वाले दो दशकों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना होगा।



सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारतीय वित्तीय क्षेत्र फिलहाल मजबूत स्थिति में है। बैंकों और एनबीएफसी की बैलेंस शीट बेहतर हुई हैं तथा सरकार और नियामकों द्वारा हाल के वर्षों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। अब चुनौती ऐसे वित्तीय तंत्र के निर्माण की है जो वर्तमान आकार से कई गुना बड़ी अर्थव्यवस्था को वित्तपोषित कर सके। उद्योग संगठन ने एनबीएफसी के लिए नियम-आधारित स्थायी तरलता सुविधा, प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में बदलाव, कम क्रेडिट रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड्स के लिए निवेशक आधार बढ़ाने, ऋण वसूली के मामलों में बैंकों के समान अधिकार और राष्ट्रीय आपदा एवं जलवायु जोखिम बीमा पूल बनाने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। सीआईआई ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए प्राथमिकता क्षेत्र ऋण सीमा को 35 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 80-100 करोड़ रुपए प्रति उधारकर्ता करने का सुझाव दिया है, ताकि मध्यम आकार की परियोजनाएं भी इसका लाभ उठा सकें।

लंदन में एआई पर नियंत्रण की मांग



लंदन में पॉजएआई यूके के आयोजन के तहत लोगों ने मार्च निकालकर दुनिया के सबसे शक्तिशाली आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) सिस्टम की ट्रेनिंग पर वैश्विक रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अत्याधुनिक एआई तकनीक के विकास पर तब तक विराम लगाया जाए, जब तक इसके संभावित खतरों पर नियंत्रण सुनिश्चित न हो।

न्यूज विंडो

खदान के बंधक कर्मचारियों को छुड़ाने पहुंची पुलिस पर पथराव



राँची। जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत बादलपाड़ा कल्याणपुर क्षेत्र में प्रस्तावित कोयला खदान में बोरिंग के लिए आयोजित ग्राम सभा के दौरान रविवार दोपहर भारी बवाल हो गया। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे कोयला कंपनी के कर्मियों को बंधक बना लिया। देर रात बंधक कर्मचारियों को छुड़ाने पहुंची पुलिस टीम पर उग्र भीड़ ने पथराव कर दिया, जिसमें नौ पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। रविवार दोपहर ग्राम सभा के दौरान कोयला कंपनी के कर्मियों को बंधक बनाए जाने की सूचना पर शिकारीपाड़ा थाना पुलिस देर शाम गांव पहुंची। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को समझाकर कर्मचारियों को मुक्त कराने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण उन्हें छोड़ने के लिए तैयार नहीं हुए।

बेतिया में मालगाड़ी पर पथराव इंजन में बैठा लोको पायलट घायल

बेतिया। बेतिया जिले में हरिनगर और चमुआ रेलवे स्टेशन के बीच रविवार देर शाम मोतिहारी की ओर जा रही एक मालगाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। इस घटना में मालगाड़ी चला रहे लोको पायलट यूके यादव के हाथ में पत्थर लगने से वह घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद घायल रेलकर्मी को उपचार के लिए नरकटियागंज लाया गया, जहां उनका इलाज कराया गया। मामले की जानकारी मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम हरकत में आई और संदेह के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। यह घटना उस समय हुई जब मोतिहारी जा रही मालगाड़ी हरिनगर और चमुआ स्टेशन के मध्य से गुजर रही थी। उसी दौरान अज्ञात तत्वों ने ट्रेन को निशाना बनाकर पथराव कर दिया।

खेत की जुताई को लेकर खूनी संघर्ष, ट्रैक्टर में भी लगाई आग

सारण। सारण के तरैया थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। लौवा गांव में खेत की जुताई करने से रोकने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद मारपीट और हमले में बदल गया। इस दौरान चार लोग घायल हो गए और एक ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, लौवा गांव में जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसी बीच खेत की जुताई को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने खेत की जुताई करने से मना किया।

जर्जर स्कूल की छत ढही, स्कूल की छुट्टी होने से टला बड़ा हादसा

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में सरकारी स्कूलों की बदहाल व्यवस्था एक बार फिर सामने आई है। रामराजपुरा गांव स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के एक कमरे की छत की पट्टियां अचानक टूटकर नीचे गिर गईं। गनीमत रही कि हादसा रविवार को हुआ, इसलिए स्कूल में बच्चे मौजूद नहीं थे और बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस घटना ने स्कूल में पढ़ने वाले करीब 80 बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद ग्रामीणों में शिक्षा विभाग के खिलाफ नाराजगी है।

भारत-नेपाल, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में बाढ़ का अनुमान

अल-नीनो से हिमालय में भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा, बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी

अल नीनो मजबूत होने से हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र में सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है। इससे सर्दियों में भारत और नेपाल में बाढ़ आ सकती है। नेपाल में भूस्खलन और हिमस्खलन का खतरा भी बढ़ सकता है। हिंदुकुश हिमालय विंटर आउटलुक 2026 के अनुसार, नेपाल के अलावा अफगानिस्तान और बांग्लादेश में भी इसका असर रहेगा। यहां बारिश और ठंड ज्यादा होने का अनुमान है। अमेरिका की नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, अल नीनो मजबूत से बहुत मजबूत स्थिति में है। इसके 1950 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद सबसे मजबूत बनने की संभावना करीब 60% है। यह रिपोर्ट काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट, बीजिंग नॉर्मल यूनिवर्सिटी और चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के इंस्टीट्यूट ऑफ एटमॉस्फेरिक फिजिक्स ने मिलकर तैयार की है।



ज्यादा बारिश, बर्फबारी, सूखा और जंगलों में आग का खतरा

वैज्ञानिकों ने कहा कि अल नीनो से हिमालय की तलहटी में ज्यादा बारिश हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी बढ़ सकती है। क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सूखे का दौर आ सकता है। इससे जंगलों में आग लगने का खतरा भी बढ़ेगा। यह अनुमान नेपाल और भूटान में बेहद नुकसानदायक मानसून के बाद आया है। इस दौरान ऊंचे पहाड़ों के ग्लेशियरों और पर्माफ्रॉस्ट में बदलाव से जुड़ी आपदाएं हुई थीं। अगस्त में नेपाल में आई विनाशकारी भोटेकोशी बाढ़ से करीब 1,500 लोगों की मौत हुई थी।

सुपर-डुपर अल नीनो का अलर्ट, धरती लाल दिखी थी

8 अक्टूबर को आई शिकागो यूनिवर्सिटी के क्लाइमेट इम्पैक्ट लैब के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट में कहा गया था- दुनिया इस समय बेहद ताकतवर अल नीनो का सामना कर रही है। प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री ज्यादा हो गया है। यह 1950 के बाद का सबसे खतरनाक अल नीनो बताया जा रहा है।

दिसंबर में पीक पर रहेगा अल नीनो

अल नीनो इस साल दिसंबर में अपने चरम पर पहुंच सकता है। इसके असर से आने वाले महीनों में दुनिया के बड़े हिस्से में सामान्य से ज्यादा तापमान रहने की आशंका है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने बारिश का पैटर्न बदलने से कई इलाकों में सूखा और बाढ़ का खतरा बढ़ने की चेतावनी दी है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के मुताबिक, अक्टूबर से दिसंबर के बीच इसका असर उत्तरी गोलार्ध में 2027 के वसंत तक बना रह सकता है। संगठन ने फरवरी 2027 तक इसके जारी रहने की करीब 100% संभावना जताई है। ज्यादा गर्मी से हीट स्ट्रोक और दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं बारिश का पैटर्न बिगड़ने से कहीं पानी की कमी तो कहीं बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। अल नीनो का असर भारत में भी दिखाई दे रहा है। 2026 का दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से 13% कम बारिश के साथ खत्म हुआ। यह 2001 के बाद भारत का चौथा सबसे सूखा मानसून रहा।

मान्या हत्याकांड

मासूम का पिता बोला- आश्वासन न मदद... मौत के बदले मौत मिले



बुलंदशहर। एजेंसी

बुलंदशहर के कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला नजीमपुरा भूड़ अवंती नगर निवासी साढ़े तीन साल की मासूम बेटी मान्या की हत्या ने पिता सचिन को अंदर तक झकझोर दिया है। बेटी को खोने का गम उनके चेहरे और आंखों से साफ झलक रहा है। दिल में दर्द और आंखों में आंसू लिए पिता की एक ही मांग है कि उन्हें न तो सरकार से कोई आर्थिक मदद चाहिए और न ही पुलिस-प्रशासन से महज आश्वासन। उन्हें इंसाफ तभी मिलेगा, जब बेटी की हत्या की आरोपी महिला का पुलिस एनकाउंटर करेगी। बेटी की निर्मम हत्या के बाद से मां शारदा और पिता सचिन समेत परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। बेटी को याद करते ही पिता का दर्द छलक पड़ता है। वह बार-बार यही कहते हैं कि आखिर उनकी मासूम बेटी ने किसी का क्या बिगाड़ा था, जो उसे इतनी बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया। एक महिला ने अपने स्वार्थ और अंधविश्वास के चलते उनकी हंसती खेलती दुनिया उजाड़ दी। जिस बेटी को उन्होंने बड़े अरमानों से पाला था, वह अब कभी लौटकर नहीं आएगी। पिता का कहना है कि उन्हें किसी तरह की मदद नहीं चाहिए। उन्हें मौत का बदला मौत चाहिए।

पुलिस बनकर बाइक रोकी पिस्तौल दिखाकर की लूट

जगरांव। एजेंसी

जगरांव और आसपास के इलाकों में लूटपाट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पुलिस एक वारदात को सुलझाने में जुटती है तो कुछ समय बाद लुटेरे दूसरी घटना को अंजाम देकर कानून व्यवस्था को चुनौती दे देते हैं। ताजा मामला उस समय सामने आया, जब तीन लोगों ने बाइक सवार युवक को रास्ते में घेर लिया। लुटेरों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर पहले उसे रोकने का बहाना बनाया और फिर पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए उससे रुपये लूटकर फरार हो गए।

पीड़ित गुरप्रीत सिंह निवासी कोठे खजूरा ने बताया कि वह अपने गांव से किसी काम के सिलसिले में गांव गुडे की तरफ जा रहा था। जब वह अलीगढ़ के नजदीक पहुंचा तो वहां पहले से तीन व्यक्ति खड़े थे। उन्होंने उसका बाइक रोक लिया और कहा कि पुल के नीचे से मत जाना, वहां उनका ट्रैप लगा हुआ है और उसके बाइक का नंबर भी ट्रेस हुआ है। आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए अपनी कमीज ऊपर उठाकर उसे पिस्तौल दिखाई और चेकिंग का बहाना बनाकर अपने साथ खाली जगह पर ले गए। पीड़ित के अनुसार आरोपी उसे सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल के पास ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ जमकर मारपीट की।

शुकतीर्थ में भागवत बोले: भारत को पुरानी नींव पर खड़ा करना होगा, विश्व को देश के ज्ञान की जरूरत

मुजफ्फरनगर। एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रविवार शाम करीब साढ़े छह बजे दो दिवसीय प्रवास पर शुकतीर्थ पहुंचे। यहां उन्होंने शुकदेव आश्रम में शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याणदेव महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनके कार्यों और समाजसेवा में योगदान को याद करते हुए भागवत ने कहा कि स्वामी कल्याणदेव दुर्लभ वीतरागी संत थे, जिन्होंने सनातन धर्म के आदर्शों को आगे बढ़ाया। शुकदेव आश्रम के मुख्य द्वार पर पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद ब्रह्मचारी ने संघ प्रमुख का स्वागत किया। उन्हें रुद्राक्ष की माला और शॉल भेंट की गई। इस दौरान श्री शुकदेव संस्कृत विद्यालय के बटुकों और पुरोहितों ने शंखनाद के साथ स्वस्तिवाचन किया।

समाधि मंदिर में मंत्रोच्चार के बीच अर्पित की श्रद्धांजलि

आश्रम पहुंचने के बाद डॉ. मोहन भागवत ने शुकतीर्थ के जीर्णोद्धारक स्वामी कल्याणदेव महाराज के समाधि मंदिर में पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।



वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने संत की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, दीप प्रज्वलित किया और आरती की। इस दौरान भागवत ने स्वामी कल्याणदेव के संदेशों को भी ध्यान से पढ़ा। इनमें निष्काम भाव से सेवा करने और मानवता की सच्ची सेवा के महत्व को बताया गया है। संत के संदेश में कहा गया है कि जब कोई निष्काम भावना से सेवा में तल्लीन हो जाता है और उसकी आंखें आंसुओं से भर आती हैं, तब उस सेवा को मानवता की सच्ची सेवा माना जाना चाहिए।

मेट्रो एंकर

छाती का मवाद निकालने का बिना जोखिम इलाज, डॉ. कपूर बोले-850 मरीजों की सर्जरी की

मेरठ के सर्जन की तकनीक से दुनियाभर के डॉक्टर हैरान

मेरठ। एजेंसी

चिकित्सा के क्षेत्र में मेरठ के एक वरिष्ठ चिकित्सक ने देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में नाम रोशन किया है। नई दिल्ली के 'यशोभूमि' इंडिया इंटरनेशनल कन्वेन्शन सेंटर में आज हुई हृदय एवं चेस्ट सर्जनों की अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी में मेरठ के वरिष्ठ चेस्ट सर्जन डॉ. अनिल कपूर ने 15 वर्षों में अपने द्वारा किए आपरेशनों की नई तकनीक बताई। उनकी इस तकनीक को देखकर दुनिया भर से आए डाक्टर अचंभित रह गए, क्योंकि यह तकनीक अभी तक विश्व में कहीं और प्रचलित नहीं है। टीबी, निमोनिया, लिवर सिरोसिस, किडनी और हार्ट फेलियर और अन्य गंभीर बीमारियों के कारण कई बार छाती में पानी भर जाता है। यह बाद में मवाद में बदल जाता है। समय पर सही इलाज न मिलने पर मवाद गाढ़ा हो जाता है और फेफड़ों के ऊपर झिल्लियां पड़ जाती हैं। पारंपरिक खुली सर्जरी में छाती खोलकर या दूरबीन विधि से इस झिल्ली को हटाया जाता है। इसमें भारी रक्तस्राव, इन्फेक्शन व फेफड़े से हवा लीक होने जैसे जोखिम होते हैं। बुजुर्ग या दमा, शुगर, बीपी के मरीजों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकती है। डॉ. कपूर ने इसका समाधान अपने तरीके से निकालने के लिए नई तकनीक ईजाद की।





फेफड़े के ऊपर चढ़ी झिल्ली को हटाए बिना ही निकालते हैं मवाद, अमेरिका, यूरोप के डॉक्टरों ने की सराहना

डॉ. अनिल कपूर ने बताया कि इस तकनीक में फेफड़े के ऊपर चढ़ी झिल्ली को हटाए बिना ही दूरबीन विधि से सारा मवाद निकाल लिया जाता है और फेफड़े को फुलाकर छाती की दीवार से चिपका दिया जाता है। बताया कि पिछले 15 वर्षों में इस स्व-विकसित तकनीक से लगभग 850 से अधिक मरीजों का सफलतापूर्वक सफल आपरेशन करने का दावा किया है। इस अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी में भारत के अलावा अमेरिका, सिंगापुर, यूरोप, आबू धाबी और थाईलैंड समेत कई देशों डॉक्टर आए थे। उन्होंने बताया कि कई देशों के विशेषज्ञों ने अपने देश में आकर इस तकनीक का प्रशिक्षण देने और आपरेशन करने का प्रस्ताव भी दिया है, जो मेरठ और देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। डॉ. अनिल कपूर ने बताया कि उन्हें यह तकनीक विकसित करने की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस विचार से मिली थी, जिसमें उन्होंने भारत के लोगों को खुद इनोवेशन करने के लिए प्रेरित किया था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524